RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:282 ता. 06 मई 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भाजपा नेता दीपक जोशी आज को थाम सकते हैं 'पंजा'

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र दीपक जोशी शनिवार को यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के समक्ष विधिवत कांग्रेस की सदस्यता ले सकते हैं। देवास जिले के बागली और हाटपीपल्या से विधायक रह चुके श्री जोशी काफी दिनों से प्रदेश भाजपा संगठन से नाराज चल रहे थे और उन्होंने एक मई को अपनी नाराजगी सार्वजनिक तौर पर व्यक्त करते हुए कांग्रेस का दामन थामने के संकेत दिए थे। इसके बाद उन्हें मनाने के प्रदेश संगठन की ओर से प्रयास किए गए, लेकिन वे कांग्रेस में जाने के निर्णय पर अडिग दिख रहे हैं। आज उनकी पत्नी की पुण्यतिथि है और वे कल यहां श्री कमलनाथ से मुलाकात के बाद औपचारिक तौर पर कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। श्री जोशी, शिवराज सिंह चौहान सरकार में वर्ष 2018 के पहले तकनीकी शिक्षा मंत्री भी रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार श्री दीपक जोशी का पार्टी में आना तय हो गया है। उनकी पहले भी श्री कमलनाथ से मुलाकात हो चुकी है और शनिवार को वे औपचारिक तौर पर कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे। इस बीच श्री जोशी से आज उनके मोबाइल फोन पर संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन वह बंद मिला। हालांकि कल देर शाम उन्होंने यहां मीडिया के सवालों के जवाब में कांग्रेस में जाने की बात दोहरायी है। वहीं प्रदेश भाजपा के सूत्रों का कहना है कि श्री जोशी, भाजपा के वरिष्ठ, संत छवि के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कैलाश जोशी के पुत्र हैं। वे पार्टी के विधायक रहे और अन्य दायित्व भी संभाले। उन्हें पार्टी ने बहुत कुछ दिया और हाल के दिनों में उनसे सभी प्रमुख वरिष्ठ नेताओं ने चर्चा भी की, लेकिन वे संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह कमर कसकर तैयारी कर रही है और इस तरह के घटनाक्रमों से निपटने के लिए भी तैयार है।

ओपिनियन पोल्स का सार

कर्नाटक में अबकी बार किसकी सरकार? कांग्रेस ही नहीं भाजपा के लिए भी खुशखबरी

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को वोट डाले जाएंगे। इससे पहले सामने आए अधिकांश ओपिनियन पोल या सर्वे में कांग्रेस वापसी करती दिख रही है। वहीं, जी न्यूज-मैट्राइज के सर्वे में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। एबीपी-सीवोटर ओपिनियन पोल के मुताबिक, कांग्रेस कर्नाटक में सरकार बना सकती है। बीजेपी को सबसे अधिक नुकसान और जेडीएस को भी घाटा होने की संभावना है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर आयोजित ओपिनियन पोल्स की प्रमुख बातें

1. एबीपी-सीवोटर के मुताबिक, कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस 107 से 109 सीटें जीत सकती है। बीजेपी को 74-86 सीटें मिलने की संभावना है। वहीं, जेडीएस को 23-35 सीटों मिलती दिख रही है।

2. वोट शेयर की बात करें तो बीजेपी इस चुनाव में कांग्रेस से पांच प्रतीशत पीछे रह सकती है। कांग्रेस को यहां 40 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं, जबकि बीजेपी के खाते में 35 प्रतिशत मत मिल सकते हैं। जेडीएस को सिर्फ 17 प्रतिशत मतों से संतोष करना पड़ सकता है।

3. इंडिया टुडे और सीवेटर ने भी कर्नाटक में भाजपा की हार की भविष्यवाणी की है। ओपिनियन पोल के मुताबिक, बीजेपी को यहां 74-80 सीटें मिलने की संभावना है। वहीं, कांग्रेस यहां 107-119 सीटों के साथ सरकार बनाती दिख रही है। जेडीएस को 23-

35 सीटें मिलने की संभावना दिख रही है।

4. ओपिनियन पोल के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया मुख्यमंत्री बनने की रेस में सबसे आगे हैं। उन्हें 42 प्रतिशत जनता का समर्थन मिलता दिख रहा है। वहीं, बसवराज बोम्मई को 31 प्रतिशत लोगों ने अपनी पसंद बताया है।

5. जी न्यूज और मैट्राइज ने भी कर्नाटक चुनाव के लिए सर्वे किया है। इनके ओपिनियन पोल के मुताबिक, बीजेपी इस चुनाव में भी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है। इस चुनाव में बीजेपी को 103-115 सीटें मिलने की संभावना है। वहीं, कांग्रेस 79 से 91 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर आ सकती है। कांग्रेस 26-36 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर बनी रह सकती है। अन्य को भी एक से तीन सीटें मिल सकती हैं। बीजेपी को इस चुनाव में 42 प्रतिशत मत मिल सकते हैं। वहीं, कांग्रेस को 40 और जेडीएस को 15 प्रतिशत मत मिलने की संभावना है। जेडीएस 15 प्रतिशत मतों के साथ तीसरे नंबर पर रह सकती है।

6. Zee News-Matrize ने यह भी कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में गेमचेंजर साबित हो सकते हैं। वहीं, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का लाभ कांग्रेस को मिलता नहीं दिख रहा है।

7. जी न्यूज ने यह भी दावा किया है कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिए अब तक जितने भी सर्वे हुए हैं, उसने सबसे बड़े सैंपल साइज का इस्तेमाल किया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के 1.80 लाख पुरुषों और 1.12 लाख महिलाओं ने इस जनमत सर्वेक्षण में भाग लिया।

8. कन्नड़ समाचार चैनल सुवर्णा न्यूज 24×7 और जन की बात ने भी चुनावी सर्वे किया है। इस चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर रही है। हालांकि वोट शेयर के मामले में कांग्रेस को बीजेपी से थोड़ा आगे रखा गया है।

अंदर और बाहर से कैसा दिखता है केजरीवाल का बंगला, बीजेपी ले आई तस्वीरें

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी बंगले को लेकर शुरू हुआ विवाद अभी थमता नजर नहीं आ रहा है। भाजपा नेता बीते सोमवार से ही केजरीवाल के सिविल लाइंस के फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले के सामने अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे हैं। भाजपा का दावा है कि दावा केजरीवाल ने अपने सरकारी आवास के रेनोवेशन पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसमें करोड़ों के कालीन, पर्दों और मार्बल से लेकर टीवी तक लगाए गए हैं। भाजपा ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि वह अपने बंगले के दरवाजे आम जनता के लिए खोले ताकि लोग उनकी शाही जिदंगी को देख सकें, भले ही इसके लिए टिकट लगा दिया जाए। दिल्ली भाजपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से केजरीवाल के कथित आलीशान बंगले की कुछ फोटो जारी किए हैं। इन तस्वीरों में बंगले के अंदर और बाहर आधुनिक सुख-सुविधाओं की झलक साफ देखी जा सकती है। दिल्ली भाजपा ने फोटो ट्वीट कर कैप्शन में लिखा है, केजरीवाल के राजमहल की तस्वीर... खुद को आम आदमी बताने वाले ने गरीबों का पैसा भोग विलास में उड़ाया ऐशो आराम के लिए बिना टेंडर 45 करोड़ में राजमहल बनवाया। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बीते मंगलवार दावा किया था कि अपने सरकारी आवास के सौंदर्यीकरण पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल जाना होगा।

बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास के सौंदर्यीकरण पर 15 लाख रुपये तक खर्च करने के हकदार थे, लेकिन इसके बदले उन्होंने 45 करोड़ रुपये खर्च कर डाला। उन्होंने कहा कि जब तक केजरीवाल तिहाड़ जेल नहीं पहुंच जाते, तब तक भाजपा के कार्यकर्ता चैन से नहीं बैठेंगे।

बृजभूषण संग पहलवानों की लड़ाई अब आर-पार, बजरंग पुनिया ने की भावुक अपील

नई दिल्ली। स्टार भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच लोगों से भावनात्मक अपील की है। पिछले कुछ दिनों से बृजभूषण सिंह बजरंग पुनिया पर उन्हें फंसाने के लिए साजिश रचने का आरोप लगा चुके हैं। पुनिया ने अपने संदेश में कहा है कि हम देश के गौरव के लिए लड़े। कृपया हमारा साथ दें। महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पीछे हटने का नाम नहीं ले रहे हैं। वह इस पूरे घटनाक्रम पर बजरंग पुनिया पर साजिश रचने का आरोप लगा चुके हैं। अब मामले में बजरंग पुनिया ने साथी पहलवान साक्षी मलिक और विनेश फोगट के साथ एक

● बजरंग पुनिया ने शुक्रवार को भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच लोगों से भावनात्मक अपील की है।

वीडियो पोस्ट करते हुए ट्विटर पर लोगों से भावनात्मक अपील की है। अपने संदेश में पुनिया लिखते हैं, हम अपने देश के गौरव के लिए लड़े। आज हम आपके चैंपियंस की सुरक्षा और सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। कृपया हमारा साथ दें! पुनिया की यह अपील ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले ही दिल्ली के पड़ोसी राज्यों के किसानों और डीयू के छात्रों सहित बड़ी संख्या में लोग जंतर-मंतर पहुंचे और डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाई। उनमें से कई ने विरोध स्थल पर भारी सुरक्षा तैनाती के बीच पीड़ित पहलवानों के समर्थन में नारी शक्ति जिंदाबाद, पहलवान एकता जिंदाबाद, जो हमसे टकराएगा, चूर चूर हो जाएगा जैसे नारे लगाए।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब से आए कई किसान समूहों ने जय किसान जय जवान और किसान एकता जिंदाबाद के नारे लगाए, जब तक कि पहलवानों को न्याय नहीं मिल जाता, वे जगह नहीं छोड़ेंगे।

हिंसाग्रस्त मणिपुर में हालात गंभीर, सभी रेलगाड़ियां स्थगित

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर में बिगड़ते हालात के मद्देनजर पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने आज सभी ट्रेनों को स्थगित कर दिया है। इससे पहले गुजरे कल को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार ने उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया था। राज्य में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना और असम राइफल्स के 55 'कॉलम' को तैनात किया गया है। वहीं, हिंसा की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से बात कर स्थिति का

जायजा लिया है। इससे पहले गृह विभाग पांच दिन के लिए इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर चुका है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने बताया कि स्थिति में सुधार होने तक कोई भी ट्रेन मणिपुर में प्रवेश नहीं करेगी। मणिपुर सरकार की सलाह के बाद यह निर्णय लिया गया है।

सिसोदिया के बाद नए चेहरों को सामने लाने का दावा, शराब घोटाले में ईडी की और बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के आरोप के तहत एक मुख्य आरोपपत्र के अलावा चौथा पूरक आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया है। ईडी द्वारा अब तक दायर पांचवें आरोपपत्र में मनीष सिसोदिया को 29वें आरोपी के तौर पर शामिल किया गया है। इस आरोपपत्र में ईडी ने दावा किया है कि इस घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता मनीष सिसोदिया थे। राउज एवेन्यू अदालत में दायर आरोपपत्र में ईडी ने कहा है कि आबकारी नीति में बदलाव से लेकर आवंटन तक की जिम्मेदारी मुख्यतौर मनीष सिसोदिया की थी। मनीष सिसोदिया इस घोटाले के प्रत्येक चरण से वाकिफ थे। इतना ही नहीं वह खुद घोटाले को अंजाम

देने में शामिल थे। ईडी ने मोबाइल फोनों के इस्तेमाल व उनके नष्ट करने को लेकर दस्तावेजी साक्ष्य पूरक आरोपपत्र के साथ संलग्न किए हैं। ईडी ने पूरक आरोपपत्र में कहा है कि सिसोदिया ने अन्य आप नेताओं के नाम से खरीदे गए सिम कार्ड और मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था और उन्होंने 14 मोबाइल फोन नष्ट कर दिए थे, जिनमें से दो ईडी द्वारा बरामद कर लिए गए हैं। ईडी ने साथ ही अदालत में यह भी कहा कि उनकी जांच यहीं समाप्त नहीं हुई है। वह लगातार इस घोटाले के अन्य चेहरों को सामने लाने का प्रयास कर रहे हैं। कई और बड़े नाम सामने आ सकते हैं। हालांकि ईडी ने अभी किसी और नाम लेने से बहरहाल इनकार किया। ईडी ने साथ ही यह भी कहा कि इस आरोपपत्र के साथ उन्होंने पुख्ता साक्ष्य पेश किए हैं। मुकदमे की सुनवाई के दौरान वह अपने पक्ष को मजबूत तरीके से रखेंगे और इस घोटाले को साबित भी करेंगे। बहरहाल अदालत ने इस आरोपपत्र को विचार के लिए रख लिया है।

पत्नी को अस्पताल से छुट्टी मिलने की बात छिपाई- ईडी

आबकारी नीति मामले में मनीष सिसोदिया की ओर से बीमार पत्नी की देखभाल के लिए जमानत के अनुरोध वाली याचिका का दिल्ली उच्च न्यायालय में सीबीआई ने विरोध किया। सीबीआई ने दावा किया कि सिसोदिया ने पत्नी को अस्पताल से छुट्टी मिलने के तथ्य को छिपाया है। अस्पताल के कागजात के मुताबिक, सिसोदिया की पत्नी की हालत में सुधार है। सिसोदिया के वकील ने दावा किया कि तथ्यों को छिपाया नहीं गया। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा कि हर पति का कर्तव्य है कि वह अपनी पत्नी की देखभाल करे।

शिवराज से मुलाकात और बन गई बात, अब नहीं कोई सामूहिक इस्तीफा

भोपाल। मध्य प्रदेश के लिए यह वर्ष चुनावी वर्ष है, ऐसे में विभिन्न कर्मचारी संगठन अपनी-अपनी मांगों को वोट की राजनीति के चलते सत्ता से मनवा लेना चाहते हैं, यही कारण है साल शुरू होते ही पिछले चार महीनों से राज्य की राजधानी भोपाल में एक के बाद एक संगठनों के धरने और प्रदर्शन का दौर जारी है। ऐसे में जब चिकित्सकों ने अपनी बात मनवानी चाही तो पहले उन्हें न्यायालय से झटका लगा और चिकित्सा जैसी जरूरी आपातकालीन सेवाओं को लेकर घोर लापरवाही बरतने पर उन्हें फटकार लगी, तो अब आगे जो सामूहिक इस्तीफा दिए जाने की बात की जा रही थी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलते ही यह निर्णय भी अब वापस ले लिया गया है।

डॉक्टर्स एसोसिएशन का कहना है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी मांगों को स्वीकार्य कर लिया है। स्वयं सीएम शिवराज ने उनसे मुलाकात के दौरान कहा है कि इस्तीफा न दें। सरकार उनके साथ है। जल्द उनके पक्ष में आदेश जारी किया जाएगा।

दरअसल, चिकित्सकों की मांग है कि उन्हें केंद्र सरकार के समान डीएसीपी (डायनैमिक एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन) योजना लागू करने सहित अन्य सुविधाएं मिलें। राज्य सरकार चिकित्सा अधिकारियों के लिए 10 हजार ग्रेड पे भी लागू करे। जब इस मांग को लेकर राज्य के चिकित्सक हड़ताल पर चले गए तो जबलपुर न्यायालय में जनहित याचिका लगी और उस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आदेश दिया कि सभी चिकित्सक तुरंत काम पर लौटें। हाई कोर्ट ने डॉक्टरों की किसी प्रकार की हड़ताल को अवैध ठहराया और कहा कि आगे

से बिना अनुमति हड़ताल नहीं करेंगे। भविष्य में टोकन स्ट्राइक को भी हाई कोर्ट ने अनुचित माना और इस पर न जाने के लिए भी चिकित्सकों से कहा।

फिलहाल सरकारी सेवा में आने वाले चिकित्सक को उसके सेवाकाल में तीन बार पदोन्नति मिलती है। जिसे कि समयमान वेतनमान कहा जाता है। जबकि केंद्र सरकार एक चिकित्सक के सेवाकाल में उसे चार अपग्रेडेशन या पदोन्नति देती है। ऐसे में राज्य भर के चिकित्सक चाहते हैं कि उन्हें भी केंद्र सरकार की डीएपीसी स्कीम की तरह चार अपग्रेडेशन दिए जाएं, इसके लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से डॉक्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों की विस्तार से बातचीत हो गई है। उल्लेखनीय है कि इंदरजीत कुंवर पाल सिंह ने डॉक्टरों की हड़ताल पर जनहित याचिका लगाई थी जिसमें उन्होंने हड़ताल को अवैध करार देने की मांग की थी। इस मामले पर जस्टिस रवि मलिमठ और जस्टिस विशाल मिश्रा की बेंच में सुनवाई हुई, जिसकी पैरवी संजय अग्रवाल, राहुल गुप्ता और नीरजा अग्रवाल ने की। मध्य प्रदेश में करीब 15 हजार से अधिक डॉक्टर बुधवार सुबह से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। डॉक्टरों की हड़ताल का प्रदेश भर के मरीजों पर भारी असर पड़ा। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रीवा, इंदौर समेत प्रदेश के 13 सरकारी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य व्यवस्थाएं एकदम से चरमरा गई थीं। प्रदेश के 12 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भर्ती 228 मरीजों के ऑपरेशन बुधवार को टाल दिए गए थे। शासन गंभीर मरीजों को निजी अस्पतालों में शिफ्ट करने लगा था।

पाकिस्तानी एजेंट बना डीआरडीओ का वैज्ञानिक, महाराष्ट्र एटीएस ने गिरफ्तार किया

नई दिल्ली । डीआरडीओ के एक वैज्ञानिक भारत में बैठकर खुफिया जानकारियां पाकिस्तान को दे रहा था। इसकी सूचना मिलने पर महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने वैज्ञानिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रदीप कुरूलकर के तौर पर हुई है, जिस पर पाकिस्तानी एजेंट को गोपनीय जानकारी देने का आरोप है। इस संबंध में एटीएस के एक अधिकारी ने कहा कि वैज्ञानिक कथित तौर पर व्हाट्सएप और वीडियो कॉल के माध्यम से पाकिस्तान खुफिया कर्मियों के एक एजेंट के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि यह 'मोहपाश में फंसाने का मामला है। आरोपी रक्षा अनुसंधान संस्थान में वरिष्ठ पद पर रह चुका है और उस गिरफ्तार किया गया। आरोपी को पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव हेंडलर ने हनी ट्रैप में फंसाया था। एटीएस ने बताया कि वैज्ञानिक को पता था कि उसके पास जो आधिकारिक गुप्त जानकारी है, अगर वह दुश्मन को मिल जाती है, तब इससे देश की सुरक्षा को खतरा हो सकता है, इसके बावजूद पाकिस्तान को जानकारी उपलब्ध कराई। बता दें कि डीआरडीओ अधिकारी पर आरोप है, कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है। उन्होंने संवेदनशील जानकारी को किसी के साथ साझा किया जो गैरकानूनी है। दुश्मन देश के हाथों में खुफिया जानकारी जाने से भारत की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने पूरे देश की सुरक्षा को दांव पर लगाया है।

जालौन में कांग्रेस दफ्तर का बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया घेराव

जालौन। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में कांग्रेस ने जैसे ही बजरंग दल पर बैन लगाने का ऐलान किया तब पूरे देश में बवाल मच गया। कांग्रेस के खिलाफ जगह-जगह प्रदर्शन शुरू हो गया है। यूपी के जालौन में भी बजरंग दल ने कांग्रेस दफ्तर का घेराव किया। तभी पुलिस ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने जालौन के कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर हनुमान चालीसा का पाठ करने की अपील की थी।शुक्रवार को बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और सड़क पर बैठ गए। उन्हें हटाने के लिए पुलिस फोर्स पहुंची। बजरंग दल पर कांग्रेस के ऐलान के बाद बजरंग बली पर सियासत भी खूब हो रही है। एक ओर हनुमान चालीसा का पाठ करके कांग्रेस के खिलाफ बीजेपी की मोर्चाबंदी है। वहीं दूसरी ओर झटका लगने के बाद कांग्रेस भी बजरंग बली की शरण में है। कांग्रेस ने सफाई देकर कहा कि सत्ता में आने पर पूरे राज्य में हनुमान मंदिर बनाने का वादा भी किया, लेकिन पार्टी को लगने लगा है कि सेल्फ गोल हो गया। लिहाजा अब कार्यकर्ता भी बजरंग बली की शरण में पहुंच रहे हैं।

पहाड़िया समुदाय की 11 लड़कियों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया

रांची । झारखंड से तस्करी कर कर्नाटक ले जाई गई 11 नाबालिग लड़कियों को छुड़ा लिया गया है। जानकारी के अनुसार उन्हें बेंगलुरु में तस्करों के चंगुल से छुड़ाने में कामयाबी मिली है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार रात को यह जानकारी देते हुए बताया कि ये लड़कियां पहाड़िया समुदाय से ताल्लुक रखती हैं, जो एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) है। अधिकारी ने कहा कि पहाड़िया समुदाय की 11 लड़कियों को तस्करों के चंगुल से बचाया गया है। उन्हें बेंगलुरु से वापस रांची लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ये सभी लड़कियां झारखंड के साहिबगंज और पाकुड़ जिले की रहने वाली हैं। इस बीच, राज्य सरकार ने एक बयान जारी कर कहा कि मानव तस्करों द्वारा बड़े शहरों में नौकरी का झांसा देकर गरीब परिवारों के बच्चों को बेचे जाने के कई मामले सामने आए हैं। राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में गठित मानव तस्करी विरोधी इकाई बच्चों को छुड़ाने के लिए तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। बयान में कहा गया है कि तस्करों के चंगुल से बचाए गए बच्चों के पुनर्वास के भी इंतजाम किए गए हैं। हाल ही में, झारखंड से तस्करी कर ले आई गई 13 नाबालिग लड़कियों को दिल्ली में बचाया गया था। इनमें 14 साल की एक गर्भवती लड़की भी शामिल थी।

मोइली का बयान, भाजपा का 'डबल इंजन' में से एक कबाड़ में जाएगा

मंगलुरु । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी के 'डबल इंजन' में से एक को कबाड़ में भेज दिया जाएगा। मोइली ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद एक इंजन कबाड़ में भेज दिया जाएगा और दूसरा भी 2024 में कबाड़ में चला जाएगा। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा ने यहां डबल इंजन लगाये थे क्योंकि एक इंजन से काम नहीं चला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने कहा कि दोनों तानाशाह की तरह बर्ताव कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार स्वतंत्र एजेंसियों को नियंत्रित कर रही है जिसमें सुरक्षा संबंधी एजेंसियां भी शामिल हैं और भाजपा के शासनकाल में लोकतंत्र की नींव कमजोर हो गयी है। मोइली ने कहा कि प्रधानमंत्री के बार-बार कर्नाटक दौरों से साफ हो गया है कि भाजपा विधानसभा चुनाव में हार को लेकर आशंकित है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस कर्नाटक की सत्ता में आती है तो वह अपने घोषणापत्र में घोषित सभी छह गारंटी लागू करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश और प्रदेश को कर्ज के जाल में फंसा दिया है और उस पर निजीकरण की धुन सवार है।

वंदे भारत ट्रेन को लेकर दो डिवीजन आमने-सामने

नई दिल्ली । निजामुद्दीन से भोपाल के लिए 2 अप्रैल को लांच हुई वंदे भारत ट्रेन ने रेलवे के दो डिवीजन को आमने-सामने ला दिया है। दिल्ली और आगरा डिवीजन के बीच क्रू की तैनाती के मुद्दे पर मतभेद चल रहा है। हर दिन दोनों डिवीजन ट्रेन के सुपरविजन के लिए गार्ड तैनात कर रह हैं। आगरा से ट्रेन में आने वाला गार्ड निजामुद्दीन तक ड्यूटी करता है, लेकिन उसी ट्रेन में वापसी के दौरान एक यात्री के रूप में सफर करना पड़ता है। उस गार्ड के केबिन में आने की अनुमति भी नहीं दी जाती है। ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल (एआईजीसी) के वरिष्ठ अधिकारी अरुण कुमार ने कहा, हर दिन दोपहर 1:30 पर, वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से तैयार किए जाने वाले रोस्टर के मुताबिक, एक गार्ड ट्रेन में आगरा में सवार होकर निजामुद्दीन तक जाता है। वह वहां आराम करता है और 2:40 पर वापसी के दौरान ट्रेन को सुपरवाइज करने के लिए तैयार होता है। लेकिन उस गार्ड केबिन में प्रवेश नहीं दिया जाता है और इसकारण एक यात्री के रूप में लौटना पड़ता है। 710 किलोमीटर के सफर में वंदे भारत ट्रेन तीन रेलवे जोन से गुजरती है। नॉर्दन रेलवे (एनआर) के दिल्ली डिवीजन, नॉर्थ सेंट्रोल जोन (एनसीआर) के आगरा और झांसी और वेस्ट सेंट्रल जोन (डब्ल्यूसीआर) से होते हुए ट्रेन निजामुद्दीन से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच सफर करती है। एनआर और एनसीआर की ओर से जारी आदेश से पता चलता है कि दिल्ली और आगरा के बीच यह विवाद पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से 1 अप्रैल को हरी झंडी दिखाए जाने के एक दिन पहले से चल रहा है। 31 मार्च की शाम 7:08 बजे एनआर के टाइम टेबल कंट्रोल (टीटीसी) डिपार्टमेंट ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी कि ट्रेन में निजामुद्दीन से झांसी और झांसी से निजामुद्दीन के बीच एनआर का गार्ड होगा।

सुस्त हुआ कोरोना, एक्टिव मरीजों की संख्या घटी, नए मामले भी हुए कम

नई दिल्ली । भारत में कोरोना की रफ्तार धीमी हो गई है। ए?क्टिव मरीजों की संख्या में जहां कमी आई है, वहीं नए मामले भी न के बराकर आ रहे हैं। जानकारी के अनसार एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,611 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,49,64,289 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या 36,244 से घटकर 33,232 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 से 36 और मरीजों की मौत के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 5,31,642 हो गई है। इनमें वे नौ लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुन-मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल मामलों का 0.07 प्रतिशत हो गई है, जबकि संक्रमितों के कोविड-19 से उबरने की राष्ट्रीय दर 98.74 फीसदी दर्ज की गई है।

बिहार में जाति आधारित गणना पर रोक से गुस्साएं लालू.....कहा ये होकर रहेगा

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार की जाति आधारित गणना और आर्थिक सर्वे पर पटना हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। इसके बाद से ही महागठबंधन खासतौर पर जेदयू और आरजेडी की जोड़ी ने बीजेपी पर हमला किया है। नीतीश से लेकर तेजस्वी तक इसके लिए बीजेपी को पानी पी पी कर कोस रहे हैं। ये अलग बात है कि फैसला पटना हाईकोर्ट का है। खैर, अब जंग में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी कूद पड़े हैं। उन्होंने जातीय जनगणना पर रोक के बाद बीजेपी पर सीधा और तीखा हमला किया है। दरअसल लालू किडनी ट्रांसप्लांट के बाद हाल ही में पटना आए हैं।

लालू के ट्विटर हैंडल से लिखा गया कि जातिगत जनगणना बहुसंख्यक जनता की मांग है और यह होकर रहेगा। भाजपा बहुसंख्यक पिछड़ों की गणना से डरती क्यों है? जो जातीय गणना का विरोधी है वह समता, मानवता, समानता का विरोधी एवं ऊंच-नीच, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन, सामाजिक व आर्थिक भेदभाव का समर्थक है। देश की जनता जातिगत जनगणना पर बीजेपी की कुटिल चाल और चालाकी को समझ चुकी है।

इसके पहले तेजस्वी यादव ने भी पटना हाई कोर्ट के फैसले को लेकर बीजेपी पर हमला किया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा के लोग जाति आधारित गणना पर रोक लगाए जाने के बाद खुशी मना रहे हैं। तेजस्वी ने बीजेपी को दोहरे चरित्र वाली पार्टी तक बताया। तेजस्वी ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार जातिगत जनगणना से मना करती है। लेकिन किसी भी भाजपा शासित प्रदेश में ऐसा नहीं हो रहा। तेजस्वी ने आरोप लगाया था कि बीजेपी वाले आरक्षण समाप्त करने और करवाने वाले लोग है।

भाजपा के खिलाफ सभी दलों को एकजुट करने में जुटीं ममता

शमशेरगंज । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने में जुटी हुई हैं। इसके लिए सभी विरोधी दलों को एकजुट किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी जांच एजेंसियां अगले साल के लोकसभा चुनावों में वोट हासिल करने में उसकी मदद नहीं करेंगी। मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने सभी विपक्षी दलों से एकजुट होने और 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का मिलकर मुकाबला करने का आग्रह किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार से कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद राज्य प्रशासन को गंगा का कटाव रोकने के लिए कोई मदद नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि गंगा का कटाव मुर्शिदाबाद और मालदा जिले में एक बड़ा मुद्दा है। इस अवसर पर ममता ने उन लोगों को 'पट्टे' (जमीन के दस्तावेज) सौंपे, जिन्होंने क्षेत्र में नदी के कटाव के कारण अपनी जमीन खो दी है।

कांग्रेस द्वारा हनुमान मंदिर बनाने के वादे को बीजेपी ने बताया छलावा

-डीके शिवकुमार ने कहा, सत्ता में आए तो हनुमान मंदिर बनाएंगे, अनुराग ठाकुर का पलटवार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा हनुमान मंदिर बनाने के वादे को भाजपा ने कोरा छलावा बताया है। जहां कांग्रेस के डीके शिवकुमार ने कहा है कि यदि हमारी सरकार बनेगी तो हम हनुमान मुंदिर बनाएंगे वहीं भाजपा नेता व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति बताया है। गौरतलब है कि कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध को लेकर उठे विवाद के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने सत्ता में आने के बाद राज्य में भगवान हनुमान मंदिर के निर्माण का वादा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो कर्नाटक में मौजूदा हनुमान मंदिरों का विकास किया जाएगा। इसको लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति कांग्रेस को इतना डूबाती है और इतना गिराती है कि फिर संभले नहीं संभल पाती है। उन्होंने कहा कि कभी बाटला हाउस कांड के आतंकवादियों के घर जाकर सोनिया गांधी फूट-फूट कर रोती हैं। कभी मोदी जी को मौत का सौदागर कहती हैं।

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने साफ तौर पर कहा कि कभी बजरंग बली के खिलाफ ही कांग्रेस पार्टी खड़ी हो जाती है। जब इन्होंने हिंदू आतंकवाद कहा तो कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी है। बीजेपी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पीएफआई और बजरंग दल की बराबरी करने पर कांग्रेस पार्टी की आलोचना की है। कर्नाटक में अपने चुनावी संबोधन के दौरान भी पीएम नरेंद्र मोदी ने जय बजरंगबली के नारों के साथ अपने भाषण का अंत किया। इस बीच, बजरंग दल और अन्य दक्षिणपंथी संगठन विरोध कर रहे हैं और कांग्रेस पार्टी से हिंदू समुदाय से माफी मांगने की मांग कर रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा ने भले ही बजरंग दल से जुड़े मुद्दे को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी हो, लेकिन कांग्रेस का मानना है कि उसकी ओर से दी गई पांच गारंटी ही उसकी जीत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इस मामले में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस को भले ही अब यह एहसास हो गया है कि बजरंग दल को बदनाम करके उसने पाप किया है लेकिन इसके लिए कर्नाटक की जनता उसे (कांग्रेस को) माफ नहीं करेगी। विहिप ने कहा कि 10 मई को होने वाले चुनाव में राज्य के लोग कांग्रेस से इस पाप का हिसाब लेंगे।

राजौरी में आतंकियों से मुठभेड़ में 5 जवान शहीद, इलाके में इंटरनेट बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजौरी (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के कंडी इलाके में हुए मुठभेड़ में सेना के 5 जवान शहीद हो गए हैं। एक घायल जवान की हालत गंभीर बनी हुई है। ऑपरेशन के दौरान तीन जवान घायल हो गए थे। फिलहाल इलाके में सेना का ऑपरेशन अभी भी जारी है।वहीं इलाके में इंटरनेट सेवा भी बंद कर दी गई है। शुक्रवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसमें एक अधिकारी सहित 4 जवान घायल हो गए थे। घायल जवानों को कमांड अस्पताल उधमपुर ले जाया गया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) जम्मू जोन, मुकेश सिंह ने पुष्टि की थी कि कांडी वन क्षेत्र में मुठभेड़ चल रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राजौरी इनकाउंटर में अब तक दो आंतकी मारे जा चुके हैं। कई आंतकियों के घिरे होने की भी खबर मिल रही है। आतंकी दो ग्रुप में है। डीजीपी दिलबाग सिंह ने बताया कि पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। डीजीपी ने कहा कि जैसे ही बलों की संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी, छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की, जिसका जवाबी कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ शुरू कर दी गई। इलाके में दो से तीन आतंकियों के फंसे होने की आशंका है।

बता दें कि हाल के दिनों में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच कई मुठभेड़ हुए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए हैं। बारामूला जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी थी।

उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान तब मुठभेड़ में बदल गया जब आतंकवादियों ने बलों के एक तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एक एके 47 राइफल और एक पिस्तौल सहित आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

बिहार सरकार पर एनजीटी ने लगाया चार हजार करोड़ का जुर्माना

देहरादून (एजेंसी)। नई दिल्ली/पटना(ईएमएस)। एनजीटी ने ?बिहार सरकार पर चार हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इस तरह से जातिगत जनगणना पर पटना हाईकोर्ट की रोक के बाद बिहार सरकार को एक और बड़ा झटका लगा है। दरअसल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने वैज्ञानिक रूप से ठोस और तरल कचरे का प्रबंधन करने में विफल रहने को लेकर बिहार सरकार पर 4,000 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है। चेयरपर्सन जस्टिस एके गोयल की पीठ ने निर्देश दिया कि राशि को दो महीने के भीतर जमा कराया जाए। न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी के साथ-साथ विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद और ए सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि बिहार सरकार वैज्ञानिक रूप से ठोस और तरल कचरे का प्रबंधन करने में विफल रही है, जिसे देखते हुये राज्य पर 4,000 करोड़ रुपये का मुआवजा लगाया जाता है। खंडपीठ ने कहा कि इस राशि का उपयोग ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं की स्थापना, पुराने कचरे के निस्तारण, सीवेज ट्रीचमेंट प्लांट की स्थापना और मल कीचड़ और सेप्टेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना के लिए किया जाएगा।

एनजीटी ने यह पाया कि राज्य में 11.74 लाख मीट्रिक टन आर 4072 मीट्रिक टन असंसाधित शहरी कचरा था और तरल अपशिष्ट उत्पादन और उपचार में अंतर 2,193 मिलियन लीटर प्रति दिन था। एनजीटी की पीठ ने सलाह दी कि उपयुक्त स्थानों पर खाद बनाने के लिए गीले कचरे का उपयोग करने के लिए बेहतर विकल्पों का पता लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट पर होने वाले खर्चों को वास्तविक में कचरे निस्तारण के पारंपरिक साधनों पर हो रहे खर्चों से तालमेल बैठाया जा सकता है।

केजरीवाल के बंगले को बताया सद्दाम हुसैन और किम जोंग जैसा महल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बंगले को सद्दाम हुसैन और किम जोंग जैसा महल बताया जा रहा है। इस समय दिल्ली के सीएम के आवास में सौंदर्यीकरण को लेकर राजनीति तेज है। जिसे लेकर भाजपा अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साध रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर साफ तौर पर कहा कि अरविंद केजरीवाल को नैतिकता के आधार पर जवाब देना चाहिए। अपने बयान में त्रिवेदी ने कहा कि केजरीवाल के आलीशान महल से उनके बारे में कई सच्चाईयां खुलती हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के महल में जिस तरह का वैभव दिखाता है, वह सद्दाम हुसैन और किम जोंग के महलों जैसा लगता है! उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि इस तरह केजरीवाल की पार्टी ने न केवल राष्ट्रीय कद, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय कद भी हासिल किया है! अपना हमला जारी रखते हुए भाजपा नेता ने दावा किया कि उनके आलीशान महल में सेंसर वाले दरवाजे हैं। उन्होंने कहा कि रिमोट से सब कुछ नियंत्रित करते हैं केजरीवाल, यहां तक कि उनकी पार्टी भी। यह पंजाब सरकार को भी रिमोट से नियंत्रित करता है! उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शायद ऐसे ही लोगों (केजरीवाल) के लिए लिखा गया है- विद्युत की इस चकाचौंध में देख दीप की लौ रोती है, अरे हृदय को थाम महल के लिए झोपड़ी बलि होती है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मुफ्त की चीजें दिखा कर खुद (केजरीवाल) ने क्या हासिल किया है। यहां पर विषय सिर्फ आरोप लगाने का नहीं है, असली चेहरा दिखाने का नहीं है, सिर्फ कटाक्ष का नहीं है। विषय उस दर्द का है, उस धोखें का है, जो दिल्ली की जनता ने अनुभव किया है। क्योंकि दिल्ली की जनता ने विश्वास किया था और मुफ्त के नाम पर उन्होंने (केजरीवाल) सिर्फ दिल्ली की जनता को धोखा दिया है। इससे पहले सांसद परवेश साहिब सिंह ने एक वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा कि खुद को आम आदमी कहने वाले दिल्ली के महाराजा अरविंद केजरीवाल का शीश महल देखिए, शीशमहल में टैक्सपेयर के पैसे से लिफ्ट और ऑटोमेटिक दरवाजे लगे हुए हैं।

सपा-बसपा पर बरसे सीएम योगी, कहा- आज युवाओं के हाथों में तमंचे नहीं, टैबलेट हैं

कनकगिरि। (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव को लेकर राज्य में प्रचार जारी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। आज प्रचार के दौरान उन्होंने एक बार फिर से राज्य के पिछली सरकारों के बहाने सपा और बसपा पर निशाना साधा है। मेरठ में जनसभा के दौरान योगी ने कहा कि 2017 से पहले जो लोग सत्ता में थे, विकास और गरीब कल्याण उनका उद्देश्य नहीं था। उन्होंने कहा कि उनको आधारभूत संरचना और गरीब से मतलब नहीं था। योगी ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि वे तो अवसरवादी थे, अराजकता पैदा करते थे।

मुख्यमंत्री ने सपा-बसपा पर हमला करते हुए कहा कि वे कांवड़ यात्रा में बाधा पैदा करते थे और गरीबों की योजना में डकैती डालकर अपने और अपने गुर्गों का पेट भरने का कार्य करते थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ये अवसरवादी और परिवारवादी ही नहीं थे, ये तमंचावादी भी थे। युवाओं के हाथों में भी तमंचा पकड़ाते थे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज युवाओं के हाथों में तमंचे नहीं, टैबलेट हैं। योगी ने कहा कि 6 साल में कोई दंगा नहीं हुआ। प्रदेश की जनता सुरक्षित है और विकास के बारे में सोच रही है। केवल वंशवादी राजनीति और माफिया संकट में हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 6 सालों में उत्तर प्रदेश की छवि काफी बदली है। अब लोग यूपी के लोगों का सम्मान करते हैं। पहले यूपी के लोग अपनी पहचान छिपाते थे, अब गर्व से कहते हैं कि हम यूपी के हैं।

इसके साथ ही योगी ने कहा कि मेरठ को पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि सपा और लोक दल का गठबंधन केवल %अवसरवादी% गठबंधन ही नहीं है, यह %अराजकतावादी% गठबंधन भी है। योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने समाज में जाति और मत-मजहब के नाम पर खाई पैदा की है। उन्होंने कहा कि अब सरकार दीपावाली और होली में मुफ्त गैस सिलेंडर देगी, अब बस्ती में जब बेटी का जन्म होता है तो मंगल गीत गाये जाते हैं कि घर में सुमंगला आई है। सरकार अब बेटी के जन्म से लेकर पढ़ाई-लिखाई और विवाह तक सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्?होंने दावा किया कि वर्ष 2017 से पहले नगरों में शोहदों का आतंक हुआ करता था। व्यापारी से रंगदारी वसूली जाती थी। मगर आज हमने युवाओं के हाथों में तमंचे नहीं बल्कि टैबलेट देने का काम किया है।

सर्बिया में फायरिंग, 8 की मौत

बेलग्रेड ।यूरोपीय देश सर्बिया के म्लाडेनोवैक शहर में गुरुवार देर रात एक कार सवार हमलावर ने सड़क पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस दौरान 8 लोगों की मौत हो गई। 13 लोग घायल हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा- फायरिंग करने के बाद हमलावर फरार हो गया था। कई घंटों तलाशी अभियान चलाने के बाद वो पकड़ा गया है। हमलावर की उम्र 21 साल है। हमें जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक, वो एक कार में सवार था। उसके पास ऑटोमेटिक गन थी। ये पिछले 2 दिनों में होने वाली दूसरी घटना है। इसके पहले 3 मई को राजधानी बेलग्रेड के एक स्कूल में एक स्टूडेंट ने फायरिंग कर दी थी। इससे एक ही क्लास के 9 स्टूडेंट्स की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल हो गए थे। फायरिंग 14 साल के लड़के ने की थी। वो 7वीं क्लास में का छात्र है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

सर्बिया में 24 घंटे में दूसरी बार गोलीबारी, आठ लोगों की मौत

बेलग्रेड ।सर्बिया में एक दिन में गोलीबारी की दूसरी घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है, और 10 अन्य घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बेलग्राद के दक्षिण में एक गांव में एक बंदूकधारी ने चलती गाड़ी से स्वचालित हथियार से गोलीबारी की। घटना गुरुवार रात करीब 11 बजे दुबोना में हुई। गृह मंत्री ब्रातिस्लाव गैसिक ने 21 वर्षीय संदिग्ध की पहचान उरोस बी के रूप में की है जो फरार है। स्वास्थ्य मंत्री डेनिका ग्रुजिसिक और सुरक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख अलेक्जेंडर वुलिन ने शुक्रवार तड़के इलाके का दौरा किया। शुक्रवार सुबह सर्बियाई मीडिया ने कहा कि डबोना और म्लाडेनोवैक गांवों में विशेष पुलिस बल पहुंच गया है। घटनास्थल की तस्वीरों में बंदूकधारी का पता लगाने के लिए पुलिस अधिकारी चौकियों पर कारों को रोकते दिख रहे हैं। एक हेलीकॉप्टर, ड्रोन और कई पुलिस गश्ती दल भी दुबोना के आसपास के इलाके में संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया में कहा गया है कि गुरुवार शाम दुबोना के एक पार्क में एक पुलिस अधिकारी के साथ बहस के बाद बंदूकधारी ने गोलीबारी शुरू कर दी। सेंट्रल बेलग्रेड के व्लादिस्लाव रिबनिकर प्राइमरी स्कूल में एक 13 वर्षीय लड़के ने आठ साथी छात्रों और एक सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

ऑस्ट्रेलिया में एक और हिंदू मंदिर में तोड़फोड़, लटकाया खालिस्तानी झंडा

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया में एक और हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ कर गेट पर ख ?लिस्तानी झंडा लटका दिया है। इधर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया की यात्रा से कुछ हफ्ते पहले यह घटना हुई है। गौरतलब है कि 23 मई को पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। इससे पहले पश्चिमी सिडनी के रोज़हिल उपनगर के स्वामीनारायण मंदिर में खालिस्तानी समर्थकों ने तोड़फोड़ की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार की सुबह बाप्स स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों ने हमला कर वहां जमकर तोड़फोड़ की। साथ ही मंदिर के गेट पर खालिस्तान का झंडा भी लटकाया। मीडिया में आई जानकारी के अनुसार पश्चिमी सिडनी के रोजहिल उपनगर में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की सामने की दीवार पर शुक्रवार सुबह मोदी आतंकवादी घोषित करें संदेश के साथ स्प्रे-पेंट किया गया था। मंदिर में नियमित रूप से आने वाली सेजल पटेल ने कहा कि आज सुबह जब मैं पूजा के लिए आयी तो मैंने सामने की दीवार पर बदसूरत बर्बरता देखी। मंदिर के अधिकारियों ने गेट पर एक खालिस्तानी झंडा लटका हुआ पाया, और मामले की सूचना न्यू साउथ वेल्स पुलिस को दी। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों ने मंदिर का दौरा किया और उन्हें हमले की सीसीटीवी फुटेज मुहैया कराई गई है। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में लगभग दो महीने की खालिस्तान गतिविधियों के बाद आई है। मार्च में, ब्रिस्बेन में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर की चारदीवारी को तोड़ दिया गया था। इससे पहले जनवरी में, मेलबर्न में तीन हिंदू मंदिरों को खालिस्तानी समर्थकों द्वारा भारत विरोधी पोस्टर और भिंडरावाले समर्थक नारों के साथ विरूपित किया गया था, और बाद में, मंदिर के पुजारियों को खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के लिए धमकी भरे फोन आए। इधर भारत ने बार-बार ऑस्ट्रेलियाई सरकार के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है और उसे तेजी से कार्रवाई करने और अपराधियों को कानून के कठघरे में लाने के लिए कहा है।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री की बेटी प्रधानमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे

बैंकाक ।अपदस्थ किए गए थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी पैतोंगटार्न शिनावात्रा 14 मई को होने वाले आम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे मानी जा रही हैं। ओपिनियन पोल में यह दावा किया गया है। वहीं, कुछ लोगों को आशंका है कि अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी बेटी की जीत थाईलैंड को विरोध-प्रदर्शन और सैन्य हस्तक्षेप के पुराने चक्र में वापस धकेल सकती है। पैतोंगटार्न शिनावात्रा (36) की अगुवाई में विपक्षी दल फियू थाई को चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि उसे पूर्ण बहुमत मिलेगा, जिसके साथ ही पैतोंगटार्न शिनावात्रा के प्रधानमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। मार्च में एक कार्यक्रम के दौरान पैतोंगटार्न ने श्रमिकों की कार्य स्थिति में सुधार, उच्च न्यूनतम मजदूरी की गारंटी, प्रदूषण को कम करने और थाईलैंड को एक वित्तीय प्रौद्योगिकी केंद्र में बदलने सहित अन्य नीतियों की रूपरेखा पेश की थी। थाकसिन को 2006 में एक सैन्य तख्तापलट द्वारा हटा दिया गया था और सत्ता के दुरुपयोग के लिए जेल की सजा से बचने के लिए वह पिछले एक दशक से अधिक समय से स्व-निर्वासन में है। हालांकि, थाकसिन ने स्वयं पर लगे आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित करार दिया है।

ग्वाटेमाला में ज्वालामुखी से निकल रहा लावा

ग्वाटेमाला सिटी ।ग्वाटेमाला के वोल्कैनो ऑफ फायर से लावा और राख निकलने के बाद उसके ढलान वाले क्षेत्र में रह रहे करीब 250 निवासियों को वहां से हटा कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। इसी ज्वालामुखी में 2018 में हुए भीषण विस्फोट के बाद इसके ढलान में स्थित एक हिस्सा तहस नहस हो गया था। दमकलकर्मियों ने कहा कि पानीमाचे के निवासियों को सुरक्षित जगह ले जाया गया है। ग्वाटेमाला की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि ज्वालामुखी से राख का गुबार निकल रहा है, जिससे करीब एक लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। 12,300 फुट ऊंचा यह वोल्कैनो ऑफ फायर मध्य अमेरिका के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी में से एक है। 2018 में हुए ज्वालामुखी विस्फोट में 194 लोगों की मौत हुई थी और 234 लोग लापता हो गए थे। ज्वालामुखी से सबसे बड़ा खतरा राख, चट्टान, मिट्टी और मलबे के मिश्रण वाली लहरें हैं, जो पूरे कस्बों को दफन कर सकती हैं। आपदा एजेंसी का कहना है कि इस तरह की लहरें ज्वालामुखी के किनारों पर सात में से चार गलियों में बह रही हैं।

रूसी प्रतिनिधि को यूक्रेनी सांसद ने भरी महफिल में जमा दिए कई घूंसे

अंकारा ।एक रुसी प्रतिनिधि को यूक्रेनी सांसद ने भरी महफिल में कई घूंसे जमा दिए। इस तरह का एक वीडियों इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग ने दोनों देशों के बीच तनाव को इस कदर बढ़ा दिया है कि उनके राजनयिक प्रतिनिधियों के बीच सरेआम मारपीट होने लगी है। सोशल मीडिया पर आये वीडियो में एक यूक्रेनी सांसद ओलेक्जेंडर मारिकोव्स्की को तुर्की की राजधानी अंकारा में एक सम्मेलन के दौरान एक अज्ञात रूसी प्रतिनिधि को घूंसा मारते हुए देखा जा सकता है। ये घटना तब हुई जब एक रूसी प्रतिनिधि ने यूक्रेन के सांसद के हाथ से उनके देश का झंडा छीन लिया। फिर तो गुस्से से आगबबूला हुए यूक्रेन के सांसद ने इस रूसी प्रतिनिधि को सबक सिखाया। मारपीट की ये कथित घटना गुरुवार को ब्लैक सी इकोनॉमिक कोऑपरेशन की संसदीय सभा की 61वीं महासभा के दौरान हुई। जहां काला सागर क्षेत्र के देश आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक मुद्दों पर बहुपक्षीय और द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए। ट्विटर पर एक राजनीतिक सलाहकार जेसन जे स्मार्ट द्वारा इस घटना के वीडियो की पोस्ट की गई क्लिप को शुक्रवार सुबह तक 30 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। सांसद ओलेक्जेंडर मारिकोव्स्की ने इस क्लिप को अपने फेसबुक अकाउंट पर भी पोस्ट किया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि शिखर सम्मेलन के दौरान एक अनाम रूसी प्रतिनिधि के मारिकोव्स्की के हाथ से उनके देश का झंडा जबरन छीन लिया। इसके बाद मारिकोवस्की ने झंडे को लेने के लिए जवाबी कार्रवाई में उसे धक्का देकर कई घूंसे मारे। कई लोगों के बीच-बचाव के बाद ये झड़प शांत हो सकी।

बेलग्रेड में स्कूल में हुई गोलीबारी में मारे गये बच्चों और स्टाफ के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने फुल चढ़ाते हुए लोग।

प्रिंस हैरी और मेघन को राज्याभिषेक में बुलाने पर ट्रंप ने जाहिर की हैरानी

वाशिंगटन (ईएमएस)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और कारोबारी डोनाल्ड ट्रम्प ने आश्चर्य जाहिर किया हैं कि प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल को बुक स्पेयर में किए गए दावों के बाद भी किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक में बुलाया गया। ट्रंप ने इस बहुत अपमानजनक बताया। ट्रंप की तरफ से ये टिप्पणी हैरी द्वारा अपना संस्मरण स्पेयर जारी करने के बाद आई है, जिसमें शाही परिवार के बारे में धमाकेदार और रोमांचक खुलासे शामिल हैं। 45वें अमेरिकी राष्ट्रपति ने हैरी के स्पेयर को भयानक बताकर कहा कि वहां हैरान हैं कि हैरी को 6 मई, 2023 को होने वाले समारोह में आमंत्रित किया गया है। एक साक्षात्कार में ट्रम्प ने मेघन का जिक्र कर कहा कि मुझे लगता है कि वहां रानी के लिए बहुत अपमानजनक रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये युगल रानी के लिए इतना अपमानजनक कैसे हो सकते हैं? रानी एलिजाबेथ का जिक्र कर ट्रंप ने कहा कि वहां अविश्वसनीय थी, दशकों तक उन्होंने कभी एक गलती नहीं की। मैं उनके द्वारा की गई गलती के बारे में सोच भी नहीं सकता, वह कभी भी विवादास्पद नहीं रही। गौरतलब है कि डायना के छोटे बेटे प्रिंस हैरी अपनी पत्नी मेगन के साथ 9 जनवरी 2020 को शाही परिवार से अलग हो गए थे। प्रिंस हैरी ने अपनी किताब स्पेयर में कई धमाकेदार खुलासे किए थे। अपने संस्मरण के लीक हुए अंश में, ड्यूक ऑफ ससेक्स ने अपने परिवार के सदस्यों के बारे में कुछ चौंकाने वाले बयान दिए, विशेष रूप से अपने भाई प्रिंस विलियम और भाभी केट मिडलटन के बारे में।

एससीओ मीटिंग में आतंकवाद पर कन्नी काट गए बिलावल, कहा-

इसे हथियार बनाने के चक्कर में न पड़ें, जयशंकर की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने शुक्रवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) को संबोधित करते हुए सदस्य देशों से एक राजनयिक उपकरण के रूप में आतंकवाद का उपयोग करने से बचने का आग्रह किया। अपनी भारत यात्रा के दूसरे दिन बोलते हुए, विदेश मंत्री ने आतंकवाद से निपटने में एससीओ देशों के बीच अधिक सहयोग के महत्व पर जोर दिया, इस मुद्दे के मूल कारणों को दूर करने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया। हमारे लोगों की सामूहिक सुरक्षा हमारी संयुक्त जिम्मेदारी है।

विदेश कार्यालय (एफओ) ने बिलावल के हवाले से कहा, राजनयिक बिंदु स्कोरिंग के लिए आतंकवाद को हथियार बनाने में न फंसें। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एससीओ की बैठक को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गोवा में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद पर पाकिस्तान की आलोचना की है। हालांकि जशंकर ने सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया। लेकिन आतंकवाद के बारे में बात करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद का खतरा बेरोकटोक जारी है। गोवा में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में

ईएएम जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद का कोई औचित्य नहीं हो सकता है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की तारीफ की है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुलाकात के दौरान जयशंकर ने मुझे कभी भी ये अहसास नहीं दिलाया कि हमारे बीच एससीओ के उद्देश्यों और चार्टर के अनुरूप हमारे बीच द्विपक्षीय रूप से कोई मुद्दा है।

चीन के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव डील को रिन्यू करने के मूड में नहीं इटली

रोम (एजेंसी)। इटली के चीन के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) डील को रिन्यू करने पर सस्पेंस बढ़ गया है। इटली के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि इटली द्वारा चीनी डील को नवीनीकृत करने की ज्यादा संभावना नहीं है। यह डील अगले साल की शुरुआत में समाप्त हो रहा है। अधिकारी ने कहा कि बीजिंग के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए अभी और समय चाहिए। मामले के जानकार अधिकारी ने कहा कि जापान के हीरोशिमा में 19 से 21 मई के बीच होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले कोई भी औपचारिक निर्णय नहीं लिया जाएगा क्योंकि यह एक अत्यधिक संवेदनशील विषय है। प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी के कार्यालय ने भी इस पर किसी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। 2019 में इटली बेहद महत्वाकांक्षी बीआरआई कार्यक्रम में शामिल होने वाला पहला और अब तक का एकमात्र जी-7 राष्ट्र है। कार्यक्रम के आलोचकों ने कहा था कि इससे चीन को इटली के संवेदनशील प्रौद्योगिकियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर नियंत्रण हासिल करने में कामयाब हो जाएगा। हालांकि, तत्कालीन प्रधान मंत्री ग्यूसेप कोंटे ने कहा था कि यह सौदा इटली की खराब अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, लेकिन पिछले चार वर्षों में इटली को इसका बहुत कम लाभ हुआ है। 2019 में 13 बिलियन यूरो के मुकाबले पिछले साल चीन को कुल 16.4 बिलियन यूरो (18.1 बिलियन डॉलर) का निर्यात ही हो सका है। इसके विपरीत, इटली के आंकड़ों के मुताबिक, इसी अवधि में इटली में चीन से होने वाला आयात 31.7 अरब से बढ़कर 57.5 अरब हो गया है।

इटली के अधिकारियों का कहना है कि रोम इसी आर्थिक विकास की कमी का तर्क चीनी प्रोजेक्ट के रिन्यू नहीं करने का बड़ा करण है। बता दें कि चीन की यह परियोजना दुनिया के 60 से अधिक देशों को सड़क, रेल और समुद्री रास्ते से जोड़ने के लिए बनाई गई है। चीन के मुताबिक उनकी इस परियोजना से दुनिया के अलग-अलग देश एक दूसरे के नज़दीक आएंगे। इससे आर्थिक सहयोग के साथ-साथ आपसी संपर्क को भी बढ़ावा मिल सकेगा।

डब्ल्यूएचओ ने कोविड-19 के खत्म होने की घोषणा की, कहा- अब ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 अब वैश्विक आपातकाल नहीं है। बता दें कि विनाशकारी कोरोना वायरस को ग्लोबल इमरजेंसी घोषित किया गया था। लेकिन अब इसे वापस लिया जाना महामारी के प्रतीकात्मक अंत को चिह्नित करता है। कोरोना महामारी ने दुनिया भर में अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया और दुनिया भर में कम से कम 7 मिलियन लोगों की मौत हो गई।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि भले ही आपातकालीन चरण समाप्त हो गया था। महामारी समाप्त नहीं हुई है। दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व में मामलों में हालिया स्पाइक्स को ध्यान में रखते हुए। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी का कहना है कि अभी भी हर हफ्ते हज़ारों लोग इस वायरस से मर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि यह बड़ी उम्मीद के साथ है कि मैं कोविड-19 के खत्म होने के साथ वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल की समाप्ति की घोषणा करता हूं। इसका मतलब यह नहीं है कि वैश्विक स्वास्थ्य खतरे के रूप में कोविड-19 खत्म हो गया है।

भारत-चीन सीमा पर स्थिति सामान्य, दोनों पक्ष इसे और सहज करने पर जोर दें: चीनी विदेश मंत्री

- दोनों पक्षों को दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करते रहना चाहिए

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के विदेश मंत्री छिन कांग ने दोहराया कि भारत-चीन सीमा पर स्थिति सामान्यतः स्थिर है और दोनों पक्षों को मौजूदा प्रयासों को मजबूत करना चाहिए तथा सीमा पर स्थायी शांति के लिए शर्तों को और सरल एवं सहज बनाने पर जोर देते हुए संबंधित समझौतों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। गोवा के बेनौलिम में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ अपनी बातचीत में छिन ने चीन के हालिया रुख को दोहराते हुए कहा कि चीन-भारत सीमा पर मौजूदा

हालात सामान्यतः स्थिर है। उनका बयान स्पष्ट रूप से पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य गतिरोध के संदर्भ में था जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव आ गया। शुक्रवार को हुई छिन-जयशंकर वार्ता के दौरान कहा गया कि छिन ने कहा कि दोनों पक्षों को दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करते रहना चाहिए, मौजूदा प्रयासों को मजबूत करना चाहिए, प्रासंगिक समझौतों का सख्ती से पालन करना चाहिए, सीमा की स्थिति को और सहज एवं सरल करने पर जोर देना चाहिए तथा सीमाई इलाकों में स्थायी शांति एवं स्थिरता बनाए रखनी चाहिए।

वार्ता के बाद एक ट्वीट में जयशंकर ने कहा कि शेष मुद्दों को हल करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित रहा। उन्होंने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर चीन के विदेश मंत्री छिन गांग के साथ विस्तृत चर्चा हुई है। लंबित मुद्दों को हल करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जयशंकर ने कहा कि एससीओ, जी-20 और ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। छिन ने कहा कि चीन और भारत, दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले विकासशील देशों के रूप में आधुनिकीकरण के एक महत्वपूर्ण दौर में हैं।

अब चीनी सेना में शामिल होंगे नेपाली गोरखा? भारत की अग्निपथ योजना का डर दिखा डोरे डाल रहा ड्रैगन

बीजिंग (एजेंसी)। एक लोकप्रिय कहावत है कि एक आदमी का नुकसान दूसरे आदमी के लिए फायदेमंद होता है। ऐसा लगता है कि चीन ने इस बात को बखूबी सीख लिया है और अपनी नीति में भी इसे शामिल कर रहा है। रिपोर्टें सामने आई हैं कि बीजिंग नेपाल के प्रसिद्ध गोरखाओं को अपनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में भर्ती करना चाहता है और ऐसा करने का उसका लंबा सपना आखिरकार सच हो सकता है। गोरखा कौन हैं? भारतीय सेना में उनका इतना सम्मान क्यों है? भारतीय सेना में उनकी भर्ती पर संकट के बादल क्यों मंडरा रहे हैं? यहां आपको इस मामले के बारे में विस्तार से बताते हैं।

गोरखा और उनका इतिहास

चीन वर्षों से नेपाल के प्रसिद्ध योद्धाओं गोरखाओं को अपनी सेना में शामिल करना चाहता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्होंने निडर और बहादुर होने की प्रतिष्ठा हासिल कर ली है। ये कठोर और मजबूत सैनिक हैं जो वर्षों से ब्रिटिश सेना और भारतीय सेना का हिस्सा रहे हैं। उनका आदर्श वाक्य 'कायर होने से बेहतर मरना' उनकी बहादुरी को दर्शाता है।

चीन की नजर गोरखाओं पर क्यों है?

ये उनकी बहादुरी और उनकी मजबूत प्रकृति ही है कि चीन उन्हें अपने पीएलए संख्या में जोड़ना चाहता है। अगस्त 2020 में बीजिंग ने नेपाल में एक अध्ययन शुरू किया था कि हिमालयी राष्ट्र के युवा भारतीय सेना में क्यों शामिल हुए। तब यह बताया गया कि भारतीय सेना में शामिल होने वाले युवा लड़कों की सदियों पुरानी परंपरा को समझने के लिए चीन ने नेपाली अध्ययन के लिए 12.7 लाख रुपये का वित्त पोषण किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीन द्वारा अपनी तरह का पहला अध्ययन था।

अग्निपथ योजना बनी समस्या

ऐसा लगता है कि भारत सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई अग्निपथ योजना को लेकर नेपाली गोरखाओं में संशय है। इसलिए नेपाल द्वारा भारतीय सेना में अपनी भर्ती भेजने से इनकार कर दिया। 14 जून 2022 को घोषित, अग्निपथ योजना वह योजना है जिसमें चार साल की छोटी अवधि के लिए सशस्त्र बलों में भर्ती की जाती है, जिसके बाद केवल एक चौथाई सैनिकों को सेना में शामिल किया जाएगा, जबकि शेष को एक पैकेज के साथ छुट्टी दे दी जाएगी।

संपादकीय

रचनात्मक सोच

रचनात्मक सोच आदमी को ऊपर उठाती हैं । मस्तिष्क में विचारों का बोझ यदि ज्यादा रक्खोगे तो इस जीवन की यात्रा में बहुत जल्दी थकेंगे । दिमाग को हल्का रखता है वह इस यात्रा में जल्दी नहीं थकता है । दिमाग को रचनात्मक व सकारात्मक विचारों से ओतप्रोत रखिये ।वरना ख़ाली दिमाग में घास फूस की तरह फालतू विचारों की भीड़ से अनावश्यक हलचल मच जाती है ।अतः सतर्क रहें और दिमाग को शांत रखने की कोशिश करते रहें। अपनी हर सांस के मूल्य का अंकन करना जरूरी है क्योंकि एक सांस व दूसरे सांस के बीच में ना ज्यादा दूरी है । इन सीमित सांसों का सही उपयोग भी तो एक कला है । यही तो इस जीवन को जीने का एक सही सिलसिला है । चिंता, ईष्या, भय व घृणा में इसे हमें बर्बाद नहीं करना है । हर पल रचनात्मक कार्यों से इस जीवन को हमें भरना है । सकारात्मक चिंतन ही इस जीवन का सम्यक व सही सार है ।सही चिंतन से सुशोभित करना ही तो इसका असली श्रृंगार है। वक्त लम्हो की बाँहें थामे सरक रहा हैं । हर बीता हुआ पल विकास का परिचय दे रहा हैं ।हम प्रगति के हर मुकाम पर जागरण की मशाल लिए एक मिसाल बन कर निखरे । अपने आज में शांति से दो पल सुस्ताए,खुद को हम टंटोले ,ग़लत सही को सोचे । कँटीली झाडियों से छन-छन कर आती धूप व सूर्य की किरणो की आलोक रश्मियाँ इस छोटी सी (मानव भव) जिंदगी मे आध्यात्मिक-समाजिक-रचनात्मक संकल्प,सुदृढ़ करे निश्चय के आलोक से आलोकित हर कार्य आज करे।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
वृषभ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
मिथुन	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।
कर्क	पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
तुला	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।
वृश्चिक	आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।
कुम्भ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के प्रयास करते कुछ राज्य

(लेखक- प्रहलाद सबनानी/ ईएमएस)

भारत को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी कॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो निश्चित ही इसका रास्ता विभिन्न राज्यों के विकास के मार्ग से होकर जाता है। यह हर्ष का विषय है कि भारत के कुछ राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की ओर ले जाने के गम्भीर प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन राज्यों में शामिल हैं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक एवं तमिलनाडु। इन राज्यों की वर्तमान में (वर्ष 2021-22) सकल राज्य घरेलू उत्पाद का स्तर, वर्तमान में वास्तविक वार्षिक विकास दर एवं आगे आने वाले समय में आवश्यक विकास दर की स्थिति पर विचार करने पर ध्यान में आता है कि इनमें से कुछ राज्यों को अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करने होंगे।

उत्तर प्रदेश राज्य ने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 29,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। परंतु राज्य को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अब वर्ष 2027 तक आवश्यक विकास दर 34.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष हासिल करनी होगी। इतनी भारी भरकम विकास दर हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को विशेष प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 22 करोड़ है, अतः राज्य में आर्थिक विकास के साथ उत्पादों की भारी भरकम मांग उत्पन्न की जा सकती है एवं उत्तर प्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था खपत आधारित अर्थव्यवस्था बन सकती है। इससे उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद हैं। हालांकि हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य विकास के पथ पर चल पड़ा है। राज्य के पश्चिमी एवं पूर्वी इलाकों में सड़क मार्ग की उपलब्धता में अतुलनीय सुधार किया जा रहा है। नए नए सड़क मार्ग के कोरिडोर एवं एक्स्प्रेस रास्तों का निर्माण किया जा रहा है। आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का निर्माण हो रहा है। इन समस्त सुविधाओं के बढ़ने से उत्तर प्रदेश राज्य में भारी भरकम निवेश आकर्षित हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से अन्य राज्यों की ओर कम प्रस्थान कर रहे हैं। दिनांक 10 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश राज्य ने एक निवेश सम्मेलन 2023 का आयोजन किया था। इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में भारतीय कम्पनियों के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय स्तर की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भी भाग लिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस सम्मेलन में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश की राशि के प्रस्ताव प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। परंतु, आश्चर्यजनक रूप से इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में 33 लाख करोड़ रुपए के 18,643 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे उत्तर प्रदेश में 92.5 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य तो कुछ वर्ष पूर्व तक बीमारु राज्य की श्रेणी में शामिल था परंतु अब देश में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाले राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है। अतः अब उम्मीद की जा रही है कि उत्तर प्रदेश राज्य वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी प्रकार महाराष्ट्र राज्य ने भी अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 43,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 10 प्रतिशत रही है। अब आने वाले वर्षों में, वर्ष 2030 तक महाराष्ट्र राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को औसतन 12.5 प्रतिशत की दर से प्रतिवर्ष आगे बढ़ाना होगा। यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वैसे भी महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास के मामले में भारत के अग्रणी राज्यों में रहा है। मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है। महाराष्ट्र राज्य ने भी 120,000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किये हैं। निवेश के इन प्रस्तावों पर तेजी से कार्य चल रहा है। अतः महाराष्ट्र राज्य द्वारा वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया जाएगा, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

गुजरात राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में गुजरात राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 28,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब गुजरात राज्य को उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 16.1 प्रतिशत की विकास दर हासिल करनी होगी। यह विकास दर आसानी से हासिल की जा सकती है। गुजरात राज्य ने भी 163,000 करोड़ रुपए के राज्य में निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किए हैं एवं इन प्रस्तावों के अंतर्गत राज्य में तेज गति से निवेश हो भी रहा है। गुजरात राज्य भारत के विकसित राज्यों में शामिल है एवं गुजरात में आर्थिक विकास की दर पिछले लम्बे समय से उत्साहजनक बनी हुई है। गुजरात के पास देश में सबसे बड़ी समुद्री सीमा है, जिससे अन्य देशों के साथ उत्पादों का आयात एवं निर्यात आसानी से हो सकता है। पूर्व के वर्षों में हासिल की गई आर्थिक विकास दर को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि गुजरात राज्य वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

कर्नाटक राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में कर्नाटक राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 24,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब कर्नाटक राज्य को वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 32 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा तभी कर्नाटक राज्य एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वर्ष 2027 तक बन सकेगा। कर्नाटक की राजधानी बंगलुरु को भारत की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की राजधानी कहा जाता है एवं कर्नाटक में स्थापित इस क्षेत्र की कम्पनियों ने भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है। कर्नाटक को उक्त लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अति गम्भीर प्रयास करने होंगे।

तमिलनाडु राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में तमिलनाडु राज्य का सकल घरेलू राज्य उत्पाद 32,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 11 प्रतिशत की रही है। अब तमिलनाडु राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लिए प्रतिवर्ष औसतन 19 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा। यह कुछ कठिन लक्ष्य दिखाई देता है, परंतु तमिलनाडु राज्य में जिस गति से विदेशी निवेश हो रहा है और उत्पादों के निर्यात में हो रही उच्च वृद्धि दर के चलते उम्मीद की जानी चाहिए कि राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास करने से उक्त लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है।

उक्त समस्त राज्यों में निगमित अभिशासन (कारपोरेट गवरनेंस) उच्च स्तरीय है, आधारभूत सुविधाओं का द्रुत गति से विस्तार हो रहा है, कानून व्यवस्था नियंत्रण में है, 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' के मामले में इन राज्यों की स्थिति में अतुलनीय सुधार हुआ है, केंद्र सरकार एवं उक्त समस्त राज्य सरकारों के आपस में सम्बंध बहुत सौहार्दपूर्ण हैं एवं सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट नमूना दिखाई दे रहा है, केंद्र सरकार के सहयोग से इन समस्त राज्यों के बीच अपने अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी दिखाई देती है जिसके चलते यह समस्त राज्य अपने अपने राज्यों में निवेश, विदेशी निवेश सहित, को आकर्षित करने के लिए, विशेष निवेश सम्मेलनों का आयोजन कर, अपने लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। लगातार हो रही नई औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के कारण इन राज्यों में रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। सस्ते एवं कुशल श्रमिकों की इन राज्यों सहित पूरे देश में पर्याप्त उपलब्धता है। इन राज्यों में स्थानीय स्तर पर शासन संचालन भी कुशल तरीके से चलाया जा रहा है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि उक्त राज्य अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में यदि सफल होते हैं तो भारत को 5 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। और फिर, देश के कुछ राज्यों को तो विकास का इंजिन बनना ही होगा।

प्रचार के उत्कर्ष व संवेदनहीनता के बीच मन की बात का शतक

(लेखक- निर्मल रानी)

देश की जनता तक प्रधानमंत्री की अपनी बात पहुँचाने का इकतरफ़ा संवाद कार्यक्रम मन की बात का सौवां एपिसोड गत 30 अप्रैल (रविवार) को अभूतपूर्व प्रचार के बीच पूरे उत्सव के रूप में प्रसारित किया गया। 2014 में सत्ता में आने के बाद 3 अक्टूबर 2014 को इस रेडिओ कार्यक्रम का पहला एपिसोड प्रसारित किया गया था। 30 अप्रैल को,प्रसारित किये गये इस शतकीय एपिसोड को देश विदेश में अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिये युद्धस्तरीय तैयारियां की गयी थीं। देशभर के क़रीब 4 लाख केंद्रों में सामूहिक रूप से सुने गये इस कार्यक्रम को देश की अधिक से अधिक जनता तक पहुँचाने के लिये देश भर की भाजपाई सरकारों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, राज्यपालों, सांसदों, विधायकों आदि सभी ने अपनी पूरी ताक़त झोंक दी थी। इस प्रसारण के कई दिन पहले से ही देश भर के सैकड़ों भाजपाई मंत्रियों,नेताओं व सत्ता समर्थक अनेक लेखकों ने कार्यक्रम की तारीफ़ संबंधी आलेख देश भर के समाचार पत्रों में प्रकाशित करवा कर कार्यक्रम की तारीफ़ के पुल बाँधने शुरू कर दिये थे। देश भर के रेलवे स्टेशंस,एयर पोर्ट्स,बस स्टैंड्स,पोस्ट ऑफ़िस सहित लगभग सभी केंद्रीय कार्यालयों में लाखों की तादाद में तरह तरह के बैनर्स लगाकर जनता को मन की बात का सौवां एपिसोड सुनने के लिये प्रेरित किया जा रहा था। अकेले उत्तर प्रदेश में ही मन की बात को सुनने के लिए अति विशेष प्रबंध किए गए थे जहाँ राज्य में 55 हज़ार ऐसे केंद्र बनाए गए थे जहां लोग इस कार्यक्रम को सुन रहे थे। भाजपा के लगभग सभी सांसद, विधायक, मंत्री सब अपने अपने क्षेत्रों में जनता के साथ मन की बात कार्यक्रम सुन रहे थे। मन की बात के सौवें एपिसोड प्रसारण समारोह पर आधारित एक स्मारक डाक टिकट और एक सिक्का भी जारी किया गया। सरकार की पूरी कोशिश थी कि इस कार्यक्रम को युद्धस्तर पर अति प्रचारित कर किसी तरह पूरे देश की जनता के साथ संवाद स्थापित किया जा सके।

बहरहाल प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात सौवां एपिसोड पेश कर कर दिया । इसमें उन्होंने कहा कि -ये मेरे लिए सिर्फ़ कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूजा और व्रत की तरह है। मन की बात मेरे लिए दूसरों के गुणों की पूजा करने के जैसा ही रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात करोड़ों भारतीयों के मन की बात है। यह उनकी भावनाओं का प्रकटीकरण है। उन्होंने कार्यक्रम में पूर्व के सेल्फ़ी विद डॉटर अभियान का ज़िक्र करते हुए कहा कि ये सेल्फ़ी का मुद्दा नहीं था बल्कि ये बेटियों से जुड़ा था जिसमें लोगों ने बहुत शानदार तरीक़े से भाग लिया। इस अभियान का मकसद लोगों को जीवन में बेटी के महत्व को समझाना था। जिस समय प्रधानमंत्री बेटियों संबंधी अपने मन के उदगार पेश कर रहे थे ठीक उसी समय जंतर मंतर पर धरने पर बैठी वे बेटियां भी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को बड़े ग़ौर से सुन रही थीं जो देश के लिये विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर लाई हैं और विश्व में देश और राष्ट्रीय ध्वज का मान बढ़ाया है। कथित तौर पर एक भाजपाई सांसद के यौन उत्पीड़न की शिकार देश की गौरव यह बेटियां जानना चाह रही थीं कि जो प्रधानमंत्री मन की बात के माध्यम से लोगों को जीवन में बेटी के महत्व को समझाना चाह रहे हैं उनकी नज़रों में इन प्रतिभाशाली परन्तु पीड़ित लड़कियों के बारे में क्या विचार हैं। कितना अच्छा होता यदि बेटी के महत्व को समझाने वाले प्रधानमंत्री जी महीनों से चली आ रही इन बेटियों की फ़रियाद को भी सुनते और आरोपी के विरुद्ध एफ़ आई कर उसके ख़िलाफ़ कार्रवाई की जाती।

परन्तु अफ़सोस की बात है कि देश की बेटियों की फ़िक्र करने का स्वांग रचने वाली सरकार पुलिस एफ़ आई आर तक नहीं करवा सकी। और धरने पर बैठी इन बेटियों की फ़रियाद सर्वोच्च न्यायालय ने सुनी उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद दिल्ली पुलिस द्वारा एफ़ आई आर दर्ज की गयी ? इतना ही नहीं बल्कि एफ़ आई आर दर्ज होने के बावजूद आरोपी की गिरफ़्तारी को लेकर आना कानी जारी रही ? हाँ,आरोपी सांसद अपने दल बल के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात ज़रूर सुनता रहा। केवल महिला पहलवानों का अपमान ही नहीं बल्कि चीन की बढ़ती घुसपैठ, अडानी से जुड़ा देश का सबसे बड़ा आर्थिक घोटाला,बढ़ती आर्थिक असमानता, दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा बढ़ती महंगाई, पेट्रोल डीज़ल व गैस के रिकार्ड मूल्य, किसान संगठनों से किए गए वादों को पूरा करने व भ्रष्टाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कोई चर्चा इस कार्यक्रम में नहीं की गयी। जोकि वास्तव में सीधे तौर पर देश की जनता से जुड़े विषय हैं।

इन दिनों एक और एक और अत्यंत गंभीर व महत्वपूर्ण विषय भाजपा नेता व पूर्व राज्यपाल सतपाल मालिक ने छेड़ रखा है। वे पुलवामा में सी आर पी जवानों पर हुए हमले के लिये सरकार की लापरवाही को ही ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेकर कह रहे हैं कि मोदी ने उनसे इस हमले पर चुप रहने के लिये कहा जिसमें चालीस जवान शहीद हुये थे। सतपाल मालिक के अति गंभीर आरोपों को हालांकि गोदी मीडिया ने ब्लैक आउट कर रखा है उसके बावजूद सोशल मीडिया पर बार बार पुलवामा में सी आर पी जवानों पर हुए हमले का ज़िक्र कर वे सीधे तौर पर प्रधानमंत्री को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। देश को उम्मीद थी कि मन की बात के सौवें एपिसोड में प्रधानमंत्री बतायेंगे कि जिन पुलवामा शहीदों की जवाबी कार्रवाही के रूप में बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक की गयी उसके बाद इन्हीं मुद्दों को चुनावी लाभ के लिये इस्तेमाल किया गया, वास्तव में इस पूरे प्रकरण की वास्तविकता क्या है ? परन्तु मन की बात के श्रोताओं को इस विषय पर भी मायूसी ही हाथ लगी।

इसी प्रकार सतपाल मालिक का एक और अति गंभीर आरोप कश्मीर में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से जुड़ा है। उन्होंने आर एस एस के एक वरिष्ठ नेता का नाम लेकर कुछ तथ्य उजागर किये। देश में घूम घूम कर भ्रष्टाचार समाप्त करने का दावा करने वाले प्रधानमंत्री आख़िर सतपाल मलिक के इतने बड़े रहस्योदघाटन पर भी ख़ामोश क्यों रहे? इसतरह के गंभीर विषयों को मन की बात में शामिल न करना निश्चित रूप से इसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये विवश करता है कि प्रचार के उत्कर्ष व संवेदनहीनता के बीच पूरे उत्सव की तरह मन की बात का शतकीय एपिसोड प्रसारित किया गया।

हड़ताल की अनुमति प्रशासन देगा या न्यायालय?

(लेखक-सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों से हड़ताल की अनुमति प्रशासन नहीं देता है। यदि हड़ताल करने वाले जबरदस्ती हड़ताल पर उतारू हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार न्यायालयों का सहारा लेकर, हड़ताल पर रोक लगवा देती है। जिन कारणों से लोगों को हड़ताल पर जाना पड़ता है। शासन और प्रशासन उनकी बात किसी भी स्तर पर नहीं सुनना चाहता है। नाही उनसे बात कर समस्याओं को सुलझाना चाहता है। हड़ताल तोड़ने के लिए शासन और प्रशासन द्वारा वायदे तो कर दिए जाते हैं। लेकिन उन वायदों पर अमल नहीं किया जाता है।अब तो हद हो गई कि सरकार और प्रशासन लिखित वायदे करती है। उस पर भी समय रहते कोई कार्यवाही नहीं करती है। कई वर्ष निकल जाते हैं। जिनके कारण लोग शासन प्रशासन और जिन समस्याओं को लेकर हड़ताल पर जाने के लिए विवश होते हैं। उन्हें कुछ भी प्राप्त नहीं होता है। अब तो हद हो गई है, कि न्यायालय के आदेशों का क्रियान्वयन प्रशासन और सरकार द्वारा नहीं किया जाता है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर में भी बट किंतु परंतु लगाकर शासन और प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से बचता है।

किसानों की हड़ताल कई माह तक चलती रही। सरकार और प्रशासन उनसे बात करने तैयार नहीं हुआ। उल्टे उत्पीड़न करने के लिए सड़कों को खोद दिया गया। किसानों को आने से रोकने के लिए जगह-जगह पर प्रतिबंधित आदेश लागू कर दिए गए।बैरियर लगा दिए गए।उन्हें तरह-तरह से राष्ट्र विरोधी, खालिस्तानी इत्यादि बताकर उन्हें प्रताड़ित करने का कोई भी मौका शासन प्रशासन द्वारा नहीं छोड़ा गया। किसान भी शांतिपूर्ण आंदोलन करते रहे देश और दुनिया में इस आंदोलन की छाप भी पड़ी। निष्पक्षता के साथ यदि हम देखें, तो पिछले 5 वर्षों में सरकारें आंदोलन और हड़ताल को लेकर पूरी तरह से असंवेदनशील हैं। शासन एवं प्रशासन दूसरे पक्ष से बात भी नहीं करना चाहते हैं। शासन और प्रशासन का ईगो हर्ट होता है। जिसके कारण अब, लोगों के बगावती स्वर उभर कर सामने आने लगे हैं। प्रशासन के पास जब लोग परमिशन मांगने जाते हैं। तब प्रशासन उन्हें परमिशन नहीं देता है। धारा 144 और अन्य प्रतिबंध लागू करके विरोध प्रदर्शन करने से रोका जाता है। हड़ताल ना हो, इसके लिए शासन और प्रशासन समय रहते समाधान नहीं करना चाहते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह संभव नहीं है। पिछले कई वर्षों से लगातार यही हो रहा है। सेना के जवान भी जंतर-मंतर पर बैठे।किसान भी बैठे,सरकारी कर्मचारी भी बैठे, सरकार हमेशा असंवेदनशील रही।प्रदर्शन और आंदोलन को कुचलने के हरसंभव प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए गए।

हाल ही में मध्यप्रदेश के डॉक्टरों की हड़ताल को न्यायालय ने अवैध घोषित कर दिया। जिसके कारण डॉक्टरों ने हड़ताल तो वापस ले ली। डॉक्टरों का कहना था, कि जब सरकार ने उनके साथ लिखित में वायदा किया है। उसके कई महीने गुजर गए हैं। सरकार ने जो वायदे किए थे, उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्हें फिर सरकार के वायदे याद दिलाने के लिए सड़क पर उतरना पड़ा रहा है।

पिछले कई वर्षों का इतिहास देखें, तो लगभग-लगभग देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, संबंधित पक्ष से सरकार और प्रशासन बात ही नहीं करना चाहता है। अब लोग नियम, कायदे कानूनों और परमिशन नहीं मिलने के कारण, अपना रोष बिना परमिशन लिए जाहिर करने लगे हैं। जनता के बीच भी एक संदेश गया है, किसानों के साथ केंद्र सरकार ने जो लिखित वायदे किए थे, वह आज तक पूरे नहीं हुए। सैकड़ों किसानों की मौत आंदोलन के दौरान हुई। किसानों की भीड़ के ऊपर गाड़ी चढ़ा देने से कई किसानों की मौत हुई थी।यह आंदोलन कई महीने चला था। इसमें कई राज्यों के किसान शामिल हुए थे। लिखित वायदे और निर्धारित समय व्यतीत हो जाने के बाद भी, सरकार कोई निर्णय नहीं कर पा रही है। सरकार की यह असंवेदनशीलता लोगों में गुस्सा उत्पन्न करने का कारण बनती है। महिला पहलवानों के बारे में भी लगभग यही स्थिति देखने को मिल रही है। महिला खिलाड़ियों के साथ लगातार यौन उत्पीड़न हो रहा था। उनकी शिकायतों पर लंबे समय तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। उसके बाद वह प्रदर्शन के लिए मजबूर हुए। सरकार ने 2 कमेटी भी बना दी।3 माह बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिसके कारण उन पहलवानों को फिर से जंतर-मंतर में प्रदर्शन करना पड़ा।

परिवर्तित खेती
की आधुनिक युग में प्रासंगिकता

प्राचीन समय से अवधारणा है कि कृषि उत्पादन की तकनीक ऐसी होना चाहिए कि वह जीवन के पांच तत्व- भूमि, पानी, वायु, अग्नि एवं अंतरिक्ष (स्पेस) के प्रति सकारात्मक रहे। इस सर्वकालिक अवधारणा क अनुरुप, वर्ष 1980 के दशक से, परिवर्तित/ जैविक खेती पर इस आधुनिकतम युग में सूक्ष्म अनुसंधान कार्य की निरंतरता बनाए रखी है इस अनुसंधान के महत्वपूर्ण बिन्दु जो उभर कर आये हैं वह इस प्रकार है।

भूमि जीवित है

मिट्टी में प्रचुर मात्रा में जैव कार्बन (0.5 प्रतिशत व अधिक) रहता है ऐसी भूमि में इन जीवों का वजन एक टन प्रति हेक्टेयर का अनुमान है। आबोहवा का कार्बन (सीओटू) हयूमस खेत के कचरे-बायोमास के विघटन से बनता है।

परिणामत

स्थानीय कचरा-बायोमास, खनिज, पशुओं का गोबर इत्यादि को जीवाणु कल्चर के संग आर्गेनिक मेन्यूअर-खाद के रुप में संवर्धित करें। संवर्धित मेन्यूअर उपलब्ध पोषक तत्वों की उपयोग क्षमता को बढ़ाता है। उत्पादन-उत्पादकता, भूमि की जीवंत प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमती है।

भूमि का संरक्षण

प्रकृति के अनमोल उपहार भूमि-मिट्टी, जीव एवं जीवाश्म व पानी-जल को खेत व खेत के आसपास संरक्षित और सजीवता की अहम भूमिका है। भूमि पर विषैले रसायन जैसे कीट, फफूंद व खरपतवार-चारा नाशक के उपयोग से परहेज करे। इन रसायनों के अधिक उपयोग से भूमि की सजीव प्रणाली शनैः - शनैः नष्ट हो जाती है। प्राण विहीन विषैली मिट्टी के रुखापन, सख्त-कठोरता से उत्पादन शक्ति कम होती है।

भूमि के जहर को निष्क्रिय करें

पौधे की बुनियाद-प्राण जड़ों में है। फिक्र जड़ों की करें, वह अपनी दृष्टि से दूर जमीन में रहती है। रुट झोन रायजोस्फीयर याने जड़ों के आस-पास में प्राण वायु का संचार, जल-नमी की उपलब्धता, भूमि का उचित तापमान, भूमि में जड़ो के विकास के लिए मुनासिब रहे यह बुनियादी आवश्यकता है। इस हेतु भूमि की गुडाई के साथ प्रोटीन हाइड्रोलायसेस का छिड़काव व भूमि पर पल्वार, तापमान को समायोजित रखते हैं। प्रोटीन हायड्रोलायसेट (गोबर, दाल या खली, गुड़, गोमूत्र, खमीर का किण्वन-फरमेन्टेशन प्रॉडक्ट) को भूमि की विषाक्ता-जहर को निष्क्रिय करने- जहर को उतारने हेतु भूमि व पौधों पर छिड़काव, अंकुरण के बाद में व 30-40 दिन की अवस्था में करें। यह छिड़काव पौधों की वृद्धि व भूमिगत जीवों की संख्या तेज गति से बढ़ती है। परिणामः ऐन टैगनिस्ट-शत्रु जीवाणुओं को समाप्त कर उपयोगी जीवाणु-माइक्रोफलोरा, पौध पोषण जो स्थायी अपरिवर्तनीय (फिक्सट) अवशोषणी (आयनिक) रुप में परिवर्तित होने पर पौधों की जड़ों में प्रवेश लेना संभव होता है।

कैसे- मोनोकाट फसलों में, जैसे गेहूं की जड़ों पर माईकोराइजा सहजीवी फफूंद पाई जाती है। इस फफूंद के हायपा सूक्ष्म दर्शी ट्यूब मोनोकाट की जड़ें व दलहन की जड़ ग्रंथियों के मध्य पोषक तत्वों की आवक-जावक में सहयोग करती है। यह त्रिपक्षीय सहयोग का उदाहरण है। इस प्राकृतिक व्यवस्था का उपयोग करते हुए मोनोकाट गेहूं का पोषण हेतु रासायनिक/जैव खाद से प्राप्त होने वाले नत्रजन पर निर्भरता 70-80 प्रतिशत तक कम करना संभव होता है। इस प्राकृतिक सिद्धांत का लाभ लेना चाहिए। इसे किस प्रकार से निश्चित कार्य रुप दिया जाए? गेहूं के साथ में दलहनी चारा बरसीम/सेंजी (मिलीलोटस), लुसर्न को सहयोगी फसल के रुप में लगायें।

जल संवर्धन

प्राकृतिक संपदा मिट्टी, जीवाश्म व जल संवर्धन एक दूसरे के अनुकूल व संपूरक है। इस प्रकल्प की पूर्ति हेतु प्रत्येक खेत के आसपास मेढ़ के स्थान पर नालियां बनाए। प्रत्येक फार्म, फार्म के निकट पोखर/छोटी कुइया बनें। यह रिचार्ज-जल रिसन में सहायक होते है। तकनीक देखने में छोटी प्रतीत होती है पर परिणाम बहुआयामी है। भूमिगत जल स्तर में भारी गिरावट आ रही है। भूमिगत जल स्तर को तेजी से ऊपर उठानें हेतु, टयुब वेल-नलकूप क आस पास गहरे रिचार्ज सेफट बनाए। इसे पोखर-तालाब में भी बनाएं। ऊपरी पर्तो-प्रोफाइल के जल की गुणवत्ता बेहतर रहती है जो उर्वरा भूमि व कम्पोस्ट के संग उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि करना संभव हो जाता है विशेष कर मानसून आधारित खेती से भी। परिवर्तित खेती अपनाने पर खेती लाभ का व्यवसाय के साथ में सहायक रोजगार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकसित करने के लक्ष्य की पूर्ति संभव है। परिवर्तित खेती अपनाने पर रोजगार के अवसर में वृद्धि से युवा वर्ग भी ग्रामीण क्षेत्र के इकोफ्रेन्डली वातावरण में रहना पसंद करेगा।

उपसंहार

प्रस्तावित परिवर्तित खेती तकनीक के पक्ष में ठोस वैज्ञानिक अनुसंधन के सकारात्मक निष्कर्ष है। इस विषय पर वृद्ध विवेचना पुस्तक परिवर्तित खेती व पर्यावरण सुरक्षा लेखक वि-न.श्रॉफ में दी गई है। यह मौलिक ग्रंथ है, जो दक्षता के साथ तर्क-वितर्क के चातुर्य से आश्वस्त करते हुए अपील की गई है कि पुनः परिवर्तित-जैविक खेती को अपनाया जाय। इस पुस्तक को कृषि कार्यमाला का व्यवहारिक रुप दिया गया है। इस में प्रत्येक स्टेक होल्डर को लक्ष्य में रखा है, जैसे कृषक, उपभोक्ता, अनुसंधानकर्ता, विद्यार्थी, ट्रेनर-प्रशिक्षक, व्यवसायी, सामाजिक नियोजनकर्ता इत्यादि को। द्वितीय हरितक्रांति की सफलता का आधार स्तंभ है, ज्ञान व दक्षता। सदाबहार उच्च उत्पादन को प्राप्त करने का लक्ष्य है, किसी भी प्रकार से पर्यावरण को हानि न पहुंचाते हुए। इस के साथ में हरित-ग्रीन जी.डी.पी. विकास जौ विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थो की कीमतों की उथल-पुथल को नियंत्रण में रखते हुए। मंदी के दौर से उभरते हुए, भूख व कुपोषण से निजात पाने में प्रस्तावित तकनीक सहायक है। इस से ही सामाजिक न्याय की परिकल्पना को मूर्त रुप देने में सफलता मिलेगी।

जैव विविधता

प्रत्येक फार्म के चारों तरफ कई प्रकार की वनस्पति होना चाहिए। पौधे जिसका उपयोग कीट नियंत्रण हेतु जैसे नीम, महुआ, रत्नजोत, गेंदा, तुलसी, सुर्जना, आयपोमिया, अकुआ, धतूरा, लहसुन, मिर्च, सीताफल की पत्तियां-बीज इत्यादि को स्थान दें। इस के उपरांत पक्षी, मेंढक, उल्लू, सर्प वर्ग के जीव, मित्र कीट को संरक्षण दे। यह प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखना में उपयोगी है। समस्त जीवों के हित में इसे संरक्षण दें फार्म के आस-पास ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के अलावा प्राकृतिक आवास स्थलों में।

जैव उर्वरक के गुण

जैव उर्वरक (खेती के लिए एक अनिवार्य आदान-प्रदान)

पोषण भोजन सजीवों की प्राथमिक आवश्यकता है जो पौधों की वृद्धि एवं विकास में सहायक है, जिसमें सभी तत्वों का आवश्यक एवं संतुलित मात्रा में होना अति आवश्यक है, पौधों के लिए मुख्यतः हवा, पानी, भूमि तथा उर्वरकों से प्राप्त होते है। पोषक तत्वों को पौधों की प्रायः अवस्था में बदलने का कार्य सूक्ष्म जीवों द्वारा किया जाता है। ये सूक्ष्म जीव ही जैव उर्वरकों के नाम से जाने जाते हैं, जो भोजन की पूर्ति के साथ-साथ फसल को कई प्रकार से लाभांवित करते हैं, जैसे पादप क्रियाओं में वृद्धि पौधों के लिए विटामिंस तथा हारमोन्स का निर्माण तथा उनका क्रियांवयन, एंटीबायोटिक व रोग निरोधक क्षमता का निर्माण तथा पौधों के जड़ भाग में नमी का संरक्षण कर अन्य कई प्रकार से पौधों को सुरक्षा प्रदान करते हुए मिट्टी की उर्वरता को लम्बे समय उपजाऊ बनाने में सहायक है। अतः जैव उर्वरक भूमि की लम्बी आयु के द्योतक है।

राइजोबियम

यह जीवाणु सभी दलहन फसलों के जड़ भाग में ग्रंथि का निर्माण कर दलहन फसलों की 80-90 प्रतिशत मांग की पूर्ति करता है। जिसे बीजोपचार द्वारा 10 से 12 किलो बीज में एक राइजोबियम 200 ग्राम के पैकेट को एक गिलास पानी या चावल के माड में लेही बनाकर बीजों में मिलाया जाता है। तथा सभी दलहनों के लिए अलग-अलग विशेष राइजोबियम कल्चर का प्रयोग होता है।

एजेटोबेक्टर

यह जीवाणु कल्चर सभी फसलों के लिए नत्रजन की 15 से 35 किलो प्रति हेक्टेयर तक की पूर्ति करता है।

एजोस्पिरिलिम

यह जीवाणु एजोटोबेक्टर जैसा ही जैव उर्वरक है तथा इसे बीजोपचार पौध-जड़ोपचार तथा मिट्टी उपचार द्वारा सभी फसलों में प्रयोग किया जा सकता है। तथा नत्रजन की स्थिरीकरण क्षमता 20-20 किलो प्रति फसल है।

एसीटोबेक्टर

यह जैव उर्वरक मुख्यतः गन्ने के लिए विशेष उपयोगी है। गन्ने के साथ-साथ शर्करा वाली फसलों के सम्पूर्ण भाग में पनपकर 65 से 150 किलो प्रति हेक्टर तक नत्रजन की पूर्ति करता है।

पीएसबी कल्चर

इसमें प्रयोग होने वाले जीवाणु खेत में पड़े फास्फोरस को जो कि पौधों को पूरी तरह प्राप्त नहीं होता, को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर फसल के लिए उपयोगी बनाता है जिससे व्यर्थ फास्फोरस का अधिकतम उपयोग हो जाता है जिससे फसल को 10-40 किलो फास्फोरस उपलब्ध होकर फसल में 7-21 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है तथा सभी फसलों के लिए लाभदायक होता है।

वैम माइकोराइजा

यह जीवित लाभदायक फफूंदी जो फसलों के सम्पूर्ण जड़ भाग में पनपकर पौधों में फास्फोरस के साथ-साथ अनेक सभी आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढ़ाते हैं तथा नमी संरक्षण व कई रोगों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। उसका उपयोग बीजोपचार व पौध-जड़ोपचार द्वारा किया जा सकता है।

एजोला एवं बीजीए

एजोला एक जलीय खरपतवार है। इसे तालाब व झील आदि से एकत्रित कर धान के खेत में डाल सकते हैं। जबकि बीजीए कल्चर (5 किलो प्रति एकड़) को जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र से खरीद कर धान के खेत में रोपाई के समय प्रयोग करते हैं तथा दोनों ही अलग-अलग 30 से 40 किलो प्रति हेक्टर नत्रजन की पूर्ति करते है। एजोला एवं बीजीए दोनों ही धान के लिये उपयोगी है।

कम्पोस्ट डिकम्पोजर

यह कल्चर गोबर की खाद व कम्पोस्ट की विच्छेदन क्रिया को तेल कर कम समय में खाद तैयार हो जाती

है तथा इस कल्चर को 1 से 3 प्रतिशत कच्चे खाद की मात्रा के अनुसार गड्डों में मिला देते हैं।

रोग बायोकन्ट्रोलर

ऐसे बहुत से कल्चर अब बाजार में उपलब्ध होने लगे है कि जैविक क्रिया के उत्पादों द्वारा कई बीमारियों एवं कीट-लार्वा आदि से फसल सुरक्षा करते है तथा फसलों में कल्चर की तरह से प्रयोग किये जाते हैं।

प्लांट राजोबैक्टिरिया

इसमें प्राप्त लाभदायक सभी जीवाणु जो पौधों के जड़ क्षेत्र में पनपते हुए फसलों को विभिन्न प्रकार से लाभांवित करते हैं जिसमें मृदा, पौधों दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
जैव उर्वरकों की प्रयोग विधि

बीजोपचार

सीधी बिजाई वाली सभी फसलों के लिए बीजोपचार उत्तम तरीका है। इसके लिए नत्रजन देने वाले तथा फास्फोरस देने वाले एक-एक पैकेट को घोले पानी अथवा ठंडे चावल के मांड में लेही बनाकर 10-12 किलो बीज पर काली परत चढ़ाने तक मिलायें तथा छाया में सुखाकर तुरंत बिजाई करें।

पौध जड़ोपचार

रोपाई की जाने वाली सभी फसलों के लिए 2 किलो एजेटोबेक्टर/एजोस्पिरिलम तथा उतनी ही मात्रा में फास्फोटिका आवश्यक जल में घोल बनाकर एक-दो घंटे रखें तथा धान के लिए रात भर रखें। इससे एक एकड़ पौध की रोपाई की जा सकती है।

मिट्टी उपचार

चार किलो एजेटोबेक्टर एजोस्पिरिलम अथवा दोनों दो-दो किलो तथा चार किलो पीएसबी कल्चर को उचित नमी वाले 100 से 150 किलो गोबर की तैयार खाद में मिश्रण तैयार कर 24 घंटे बाद फसलों की जड़ वाले भाग में प्रयोग करें।

गहरी जुताई
बड़ी कमाई

रबी की फसल कटाई के बाद अप्रैल से जून तक मिट्टी पलटने वाले हल या डिस्क प्लाऊ से की जाने वाली जुताई ग्रीष्मकालीन जुताई कहलाती है। यह जुताई आगामी खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होती है । एक ही प्रकार के कृषि यंत्रों जैसे देशी हल या ट्रैक्टर चलित कल्टीवेटर आदि द्वारा खेतों की लगातार जुताई करते रहने के कारण भूमि में एक निश्चित गहराई में

कठोर परत बन जाती है। इस आंतरिक कठोर सतह के कारण वर्षा का जल भूमि में ठीक से प्रवेश नहीं कर पाता। भूमि, वर्षा जल का नहीं हो पाने से जल बहकर खेत से बाहर निकल जाता है । जिससे भूमि में नमी का उचित संरक्षण नहीं हो पाता । इसको उपयुक्त दशा में लाने के लिए रबी की फसल काटते ही जुताई आंरभ कर देनी चाहिए। क्योंकि फसल कटने के तुरंत बाद मिट्टी में थोड़ी बची नमी में भी जुताई करने में आसानी रहती है । बाद में मिट्टी की नमी के वाष्पीकरण से खेत सूख जाते हैं और गहरी जुताई करना कठिन हो जाता है। प्रत्येक तीसरे वर्ष खेतों की गहरी जुताई 40 सेमी. या इससे अधिक गहराई तक आवश्यक रूप से करनी चाहिए। ग्रीष्मकालीन जुताई के निम्न लाभ हैं -

मिट्टी के जल सोखने की क्षमता में वृद्धि - खेत की गहरी जुताई करने से मिट्टी पलट जाती है और भूमि के अन्दर निर्मित कठोर सतह के टूट जाने से गहराई तक भुरभुरी बन जाती है । इससे मानसून की पहली वर्षा का अधिकांश पानी जमीन के अंदर चला जाता है जो खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। पहली वर्षा के जल में वायुमण्डल में उपस्थित नाइट्रोजन भी घुली होती है और यह जल भूमि में प्रवेश कर खेत की उर्वराशक्ति में बढ़ोतरी करती है । जमीन में वर्षा का पानी प्रवेश करने से भूमि के जलस्तर में वृद्धि होती है। वर्षा आधारित असिंचित कृषि में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का भी विषेश महत्व है क्योंकि ऐसी स्थिति में फसलों सें अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए वर्षा जल का अधिक मात्रा में भूमि के अंदर संचय होना आवश्यक है ।

मिट्टी के वायु संचार में वृद्धि - मिट्टी में बीजों का अंकुरण जड़ो की वृद्धि, उचित वायु संचार तथा मिट्टी जल को उचित मात्रा में बनाये रखने के लिए खेत में जैव कार्बनिक पदार्थ मिलाकर अच्छी प्रकार से जुताई करना चाहिए । जुताई से भूमि में जीवांश पदार्थ सड़कर पौध पोषक तत्वों में बदल मात्रा में बने रहते है तथा सूक्ष्म जीवों को उचित मात्रा में आक्सीजन मिलती रहती है ।

मिट्टी में उचित तापमान बनाये रखना- बोई गई फसल बीजों का अंकुरण कृषि भूमि के उचित तापमान पर निर्भर करता है । ग्रष्मिकालीन गहरी जुताई से मिट्टी अच्छी तरह पलट जाती है तथा भूमि के अंदर मिट्टी संरचना में सुधार होने से सूर्य की किरणें सीधी भूमि के अंदर पहुंच जाती है। इससे खरीफ फसलों के बोये गये बीजों का अंकुरण सही तापमान पर आसानी से हो जाता है तथा पौधों का विकस अच्छा होता हैं।

मिट्टी के गुणों में सुधार- भूमि की ऊपरी सतह पर रबी फसलों के बचे हुए पौध व खरपतवारों के अवशेश गर्मी में खेत की गहरी जुताई करने पर मिट्टी में अच्छी तरह से दब जाते हैं।

भारत और रूस के बीच रुपए में द्विपक्षीय व्यापार करने के प्रयास स्थगित

- भारत को रूस से सस्ता तेल और कोयले के आयात को जबरदस्त झटका लगेगा

नई दिल्ली ।

भारत और रूस के बीच रुपए में द्विपक्षीय व्यापार करने के प्रयास स्थगित कर दिए गए हैं। इस मामले से जुड़े प्रत्यक्ष सूत्र और दो सरकारी अधिकारियों ने बताया कि कई महीनों की बातचीत रूस को रुपए में कारोबार करने के लिए राजी करने में विफल साबित हुई है। इससे भारत को रूस से सस्ता तेल और कोयले के आयात को जबरदस्त झटका लगेगा। इनके लिए स्थायी तौर पर रुपए के भुगतान तंत्र का इंतजार किया जा रहा था। वैसे रुपए में भुगतान का तंत्र स्थापित होने से मुद्रा को बदलने में लागत भी कम आती। भारतीय अधिकारी ने नाम नहीं उजागर करने की शर्त पर बताया कि अभी व्यापार घाटे का झुकाव रूस की ओर है। इसलिए मास्को को लगता है कि यदि ऐसा तंत्र स्थापित हो जाता है तो उसका रुपए का 40 अरब डॉलर से अधिक का सालाना अधिशेष हो जाएगा। रूस को लगता है कि रुपए को ऐसे संचय करना वांछनीय नहीं है। इस पर भारत के वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और रूस के अधिकारियों ने तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। रुपया पूरी तरह परिवर्तनीय नहीं है। वस्तुओं के वैश्विक निर्यात बाजार में भारत की हिस्सेदारी केवल दो प्रतिशत है। इससे अन्य देशों की रुपए को रखने की जरूरत घट जाती है। रूस ने बीते साल यूक्रेन पर हमला किया था। इसके फौरन बाद भारत ने रूस के साथ रुपए में भुगतान का तंत्र विकसित करने के लिए संभावनाएं तलाशनी शुरू की थीं। हालांकि जानकारी के मुताबिक रुपए को

लेकर कोई समझौता नहीं हो पाया। ज्यादातर कारोबार डॉलर में होता है लेकिन अन्य मुद्राओं जैसे यूएई की मुद्रा दिरहम में भी राशि का लेन-देन हो रहा है। दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में कारोबार की सुविधा के लिए बातचीत की थी लेकिन कोई दिशानिर्देश तय नहीं हो पाया था।

मीशो ने 251 कर्मचारियों को दिखाया बाहर का रास्ता

मुंबई । घरेलू सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो ने कहा कि उसने 251 कर्मचारियों को निकाल दिया है, जो कुल कर्मचारियों का 15 प्रतिशत है, ताकि निरंतर लाभप्रदता हासिल की जा सके। कंपनी ने कहा कि उसने 251 कर्मचारियो को निकालने का एक कठिन निर्णय लिया है, जो कि कर्मचारी आधार का 15 प्रतिशत है। हम निरंतर लाभप्रदता प्राप्त करने के लिए एक छोटे संगठनात्मक ढांचे के साथ काम करना चाहते हैं। कंपनी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रभावित सभी लोगों को हमारा पूरा समर्थन मिले और उन्हें एक सेपरेशन पैकेज प्रदान किया जाएगा जिसमें 2.5 से 9 महीने का एकमुश्त विच्छेद भुगतान (अवधि और पदनाम के आधार पर), निरंतर बीमा लाभ, जॉब प्लेसमेंट समर्थन और ईएसओपी की त्वरित निहितता शामिल है। कंपनी ने कहा, हम मीशो के निर्माण में उनके योगदान के लिए आभारी हैं। मीशो ने पिछले साल भारत के 90 प्रतिशत से अधिक शहरों में सुपरस्टोर नामक अपने किराना व्यवसाय को बंद कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप कई नौकरियां चली गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मीशो सुपरस्टोर के शटरिंग के बाद करीब 300 कर्मचारियों की नौकरी चली गई। मीशो ने फार्मिसो को सुपरस्टोर में रीब्रांड किया था, जिसका उद्देश्य टीयर 2 बाजारों और उससे आगे के बाजारों में दैनिक आवश्यक वस्तुओं की उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए निरंतर ध्यान केंद्रित करना था। मीशो सुपरस्टोर कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में है।

गूगल, ऐपल और माइक्रोसॉफ्ट में छिड़ी जंग

वाशिंगटन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दौड़ तेज होती जा रही है। हर बड़ी कंपनी अब एआई में अपनी बादशाहत बरकरार करने के लिए प्रयास कर रही है। इस एआई बेटल की वजह से इसमें विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को अपने पाले में करने को गूगल, ऐपल और माइक्रोसॉफ्ट में जबरदस्त जंग छिड़ी हुई है। तीन लोगों के ऐपल छोड़कर गूगल ज्वाइन करने पर अब गूगल सीईओ सुंदर पिचाई और ऐपल के टिम कुक के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। इन तीनों में से दो भारतवंशी हैं। श्रीनिवासन वेंकटाचार्य और आनंद शुक्ला आईआईटी में पढ़े हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तीनों इंजीनियर्स श्रीनिवासन वेंकटाचार्य, आनंद शुक्ला और स्टीवन बेकर ने ऐपल की एआई टेक्नोलॉजी को एडवांस बनाने में अहम भूमिका निभाई। अब तीनों ने ही ऐपल का साथ छोड़कर गूगल का दामन थाम लिया है। इन्हें अपने पाले में करने को गूगल सीईओ सुंदर पिचाई खुद इनसे मिले थे। ऐपल सीईओ टिम कुक ने भी इन्हें ऐपल में बनाए रखने को जी-तोड़ कोशिश की, पर सफल नहीं हुए। दरअसल एआई के बाजार में अपनी बादशाहत कायम करने के लिए दुनिया की दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियां आपस में लड़ रही हैं। ऐपल को गूगल और माइक्रोसॉफ्ट से कड़ी चुनौती मिल रही है। अब अपने तीन बेहतरीन इंजीनियर्स के गूगल में जाना टिम कुक के लिए सदमे से कम नहीं है।

ऑनलाइन धन भेजने के लिए केवायसी संबंधी नए निर्देश जारी

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि विदेश के अलावा घरेलू स्तर पर होने वाले इलेक्ट्रॉनिक रूप से धन का लेनदेन करने वाले के बारे में सूचना दर्ज हो। आरबीआई ने अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) से संबंधित व्यापक निर्देश में ऑनलाइन लेनदेन से संबंधित कुछ नए बिंदुओं को शामिल किया है। ये निर्देश वित्तीय कार्यबल एफएटीएफ के सुझावों के अनुरूप हैं। रिजर्व बैंक के नए निर्देश के मुताबिक, सभी विदेशी ऑनलाइन धन भेजने में भेजने वाले और प्राप्तकर्ता दोनों के बारे में सटीक, पूरी और सार्थक जानकारी देनी होगी। इसके अलावा घरेलू ऑनलाइन प्रेषण के मामले में प्रेषक के विनियमित इकाई का खाताधारक होने की स्थिति में भी यही व्यवस्था लागू होगी। हालांकि ये निर्देश क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या प्री-पेड भुगतान समाधान (पीपीआई) के जरिये खरीदारी के लिए किए जाने वाले ऑनलाइन लेनदेन पर लागू नहीं होते हैं।

एप्पल ने भारत में बनाया 94.8 अरब डॉलर की बिक्री का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । एप्पल ने भारत में 94.8 अरब डॉलर की बिक्री का रिकार्ड बनाया है। गौरतलब है कि आईफोन और स्मार्ट डिवाइस बनाने वाली कंपनी एप्पल ने इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में देश में रिकॉर्ड बिक्री की और साल-दर-साल आधार पर दहाई अंक की वृद्धि दर हासिल की। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने यह जानकारी दी। कुक पिछले महीने ही भारत आए थे और मुंबई तथा नई दिल्ली में कंपनी के पहले ब्रांड रिटेल स्टोर का उद्घाटन किया था। एप्पल ने अपनी मार्च में समाप्त तिमाही में 94.8 अरब डॉलर का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया जो उम्मीद से बेहतर है। कुक ने गुरुवार को विश्लेषकों को बताया, भारत में व्यवसाय को देखते हुए, हमने एक तिमाही का रिकॉर्ड स्थापित किया है। साल-दर-साल आधार पर दहाई अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। इसलिए यह हमारे लिए काफी अच्छी तिमाही थी। भारत एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार है। यह हमारे लिए एक प्रमुख फोकस है। मैं हाल ही में वहां गया था। बाजार में गतिशीलता अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि एप्पल अधिक ग्राहकों की सेवा करने के लिए समय के साथ भारत में परिचालन का विस्तार कर रहा है। कुक ने कहा, तीन साल पहले हमने ऐप्पल स्टोर ऑनलाइन लॉन्च किया था। और फिर हमने कुछ सप्ताह पहले ही दो स्टोर - एक मुंबई में और एक दिल्ली में लॉन्च किए जिनकी शुरुआत काफी अच्छी रही है। एप्पल को देश में कई चैनल पार्टनर भी मिले हैं। कुल मिलाकर, मैं वहां ब्रांड के लिए जो उत्साह देख रहा हूं उससे ज्यादा खुश और उत्साहित नहीं हो सकता। मध्यम वर्ग में बहुत सारे लोग आ रहे हैं, और मुझे वास्तव में लगता है कि भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद , सेंसेक्स 694 और निफ्टी 186 अंक गिरा

निवेशकों को 1.45 लाख करोड़ रुपये का झटका

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से ये गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 694.96 अंक करीब 1.13 फीसदी नीचे आकर 61,054.29 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 186.80 अंक तकरीबन 1.02 फीसदी फिसलकर 18,069.00 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एचडीएफसी टवींस में घाटे के कारण बाजार को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार उछाल के साथ बंद हुआ था। आज बाजार के नीचे आने से निवेशकों को दिन ही दिन में 1.45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

बाजार आंकड़ों के अनुसार गत दिवस बीएसई का मार्केट कैप 2,75,20,795.19 करोड़ रुपये था जो आज घटकर 2,73,75,251.56 करोड़ रुपये रह गया। इस प्रकार निवेशकों को 1,45,543.63 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 11 शेयर ही लाभ के साथ हरे निशान पर बंद हुए। टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति, नेस्ले इंडिया और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा लाभ टाइटन के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 2.30 फीसदी तक उछले हैं। वहीं लाभ में रहने वाले अन्य शेयरों में एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टूब्रो, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और बजाज फाइनैंस शामिल रहे।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 19 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील और कोटक बैंक के पांच शेयर सबसे अधिक नुकसान वाले रहे। एचडीएफसी के शेयर सबसे ज्यादा 5.89

फीसदी तक गिरे। अन्य शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, विप्रो, एनटीपीसी व टेक महिंद्रा भी नीचे आये हैं। इससे पहले आज सुबह अमेरिकी बाजारों में कमजोरी के रुख और एचडीएफसी के दोनों शेयरों में गिरावट के कारण शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 586.15 अंकों की गिरावट के साथ 61,163.10 अंक पर कारोबार कर रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी 150.9 अंक गिरकर 18,104.90 पर कारोबार कर रहा था।

कॉग्निजेंट 3,500 कर्मचारियों की कर सकती है छंटनी

मुंबई ।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाएं देने वाली अमेरिकी कंपनी कॉग्निजेंट ने जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर मुनाफा तीन प्रतिशत बढ़ने का ऐलान करते हुए करीब 3,500 कर्मचारियों की नौकरी जाने की भी आशंका जताई। भारत में मजबूत उपस्थिति रखने वाली सलाहकार कंपनी कॉग्निजेंट ने एक बयान में कहा कि पुनर्गठन योजना नेक्स्टजेन के तहत करीब 3,500 कर्मचारियों के प्रभावित होने की संभावना है। यह कंपनी के कुल 3.51 लाख कर्मचारियों का करीब एक प्रतिशत होगा। कंपनी ने अपने परिचालन मॉडल को आसान बनाने, कामकाज में सुधार और हाइब्रिड मॉडल के अनुरूप कार्यस्थल जरूरतों को देखते हुए पिछले साल नेक्स्टजेन कार्यक्रम शुरू किया था। इसका असर कर्मचारियों की संख्या में कटौती के रूप में आने की आशंका है। कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली तिमाही के अंत में कॉग्निजेंट के कर्मचारियों की संख्या अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही की तुलना में 3,800 घटकर 3.51 लाख रही है। हालांकि आलोच्य तिमाही में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर घटकर 23 प्रतिशत पर आ गई जबकि दिसंबर तिमाही में यह 26 प्रतिशत रही थी। कॉग्निजेंट ने जनवरी-मार्च तिमाही में अपना शुद्ध लाभ 58 करोड़ डॉलर रहने की जानकारी दी जबकि एक साल पहले

की समान तिमाही में यह 56.3 करोड़ डॉलर रहा था। हालांकि इस अवधि में कंपनी का राजस्व हल्की गिरावट के साथ 481.2 करोड़ डॉलर पर आ गया। कंपनी ने वर्ष 2023 के समूचे वित्त वर्ष में 19.2 अरब डॉलर की राजस्व आय होने की संभावना जताई है।

ओला इलेक्ट्रिक ने अप्रैल में 30 हजार वाहन बेचे

नई दिल्ली । ओला इलेक्ट्रिक के लिए अप्रैल महीना अच्छा रहा है। कंपनी ने इस महीने में 30 हजार इकाइयां बेची हैं। इसके साथ ही कंपनी ने इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहनों की कुल बिक्री का 40 फीसदी बाजार अपने पास रखा है। इसके अलावा लगातार आठवें महीने कंपनी नंबर एक पोजीशन पर है। ओला इलेक्ट्रिक के सीएमओ अंशुल खंडेलवाल ने कहा कि ओला एसवन, एसवन प्रो और एसवन एयर को ग्राहकों से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। कंपनी की ओर से करीब दो साल पहले पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश किया गया था। इस बीच कंपनी ऑफलाइन नेटवर्क को भी तेजी से बढ़ा रहा है और इसी क्रम में कंपनी ने देश के कई शहरों में एक्सपीरियंस सेंटर भी खोले हैं और जल्द ही इनकी संख्या बढ़कर 500 तक हो जाएगी, जिसे हम दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। हम डिमांड को पूरा करने के साथ ही अपने डायरेक्ट टू कस्टमर नेटवर्क को भी बढ़ाएंगे। कंपनी हायपरचार्जिंग नेटवर्क को भी बढ़ा रही है, जिससे ग्राहकों को अपने स्कूटर चार्ज करने में आसानी होगी। ओला इलेक्ट्रिक का ध्यान अपना पोर्टफोलियो बढ़ाने पर है। साल की शुरुआत में कंपनी ने कहा था कि वह आने वाले समय में अपनी बाइक्स को लाएगी। इसके साथ ही कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक कार भी तैयारी कर रही है। फिलहाल कंपनी भारतीय बाजार में एसवन एयर, एसवन और एसवन प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की बिक्री कर रही है।

कोयला मंत्रालय का 1 अरब टन उत्पादन का लक्ष्य

मुंबई ।

केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के ओ खिर तक 1 अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। निजी क्षेत्र से कोयला खनन बढ़ने के बीच इस 1 अरब टन में से सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) 78 करोड़ टन उत्पादन करेगी, जबकि निजी क्षेत्र की खुद के इस्तेमाल वाली खदानों और वाणिज्यिक खदानों से 16.2 करोड़ टन कोयले का उत्पादन होगा। शेष कोयला उत्पादन सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी करेगी। कोयला मंत्रालय द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना में कहा गया है कि सरकार को इस वित्त वर्ष के दौरान निजी क्षेत्र को 25 और खदाने आवंटित करने का भरोसा है। निजी कंपनियों को 2015 से अब तक 51.5 करोड़ टन क्षमता की 133 खदानों का आवंटन किया गया है। इनमें से 27 में उत्पादन हो रहा है।योजना में यह भी कहा गया है कि गेल (इंडिया), भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स और इंडियन ऑयल जैसी अहम सार्वजनिक कंपनियों ने कोल गैसीफिकेशन में दिलचस्पी दिखाई है, जिससे कोयले की नीलामी में रुचि और बढ़ेगी।वित्त वर्ष 2023-24 में सीआईएल के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य

16,500 करोड़ रुपए रखा गया है। मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 24 के लिए 50,118 करोड़ रुपए की संपत्ति मुद्रीकरण योजना का अनुमान है, जिसमें सीआईएल का हिस्सा 10,118 करोड़ रुपये होगा। सीआईएल अपनी खदानें 'माइन डेवलपर ऐंड ऑपरेटर' के तहत निजी कांट्रैक्टरों को देगी। शेष मुद्रीकरण निजी क्षेत्र के कोल ब्लॉक नीलामी के माध्यम से होगा। इसके पहले के वित्त वर्ष में संपत्ति मुद्रीकरण का लक्ष्य 30,000 करोड़ रुपये था, जबकि कोयला मंत्रालय ने 24,626 करोड़ रुपए प्राप्त करने में सफलता पाई है।

यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने फिर बढ़ाई ब्याज दर

मुंबई ।

यूरोप के देश महंगाई को काबू करने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रही हैं। अब एक बार फिर यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने अपनी ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी करने का एलान किया है। जिसके बाद मुख्य पुनर्वित्त संचालन पर ब्याज दर बढ़कर 3.75 प्रतिशत, सीमांत ऋण सुविधा पर ब्याज दर बढ़कर 4 प्रतिशत और जमा रकम पर ब्याज दर 3.25 प्रतिशत हो जाएगी। यह बढ़ी हुई दर 10 मई 2023 से लागू होगी। दरअसल ब्याज दर में बढ़ोतरी करने से यह माना जाता है कि जब नागरिकों के ऋण की किस्तें बढ़ जाएंगी तो उनके पास खर्च करने के लिए पैसा कम बचेगा। इससे लोग कम खरीददारी करेंगे और उत्पादों की बिक्री कम होगी। जब उत्पादों की बिक्री कम होगी तो उत्पादक

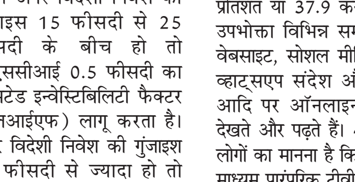

अपने सामान की कीमत कम करेंगे। इस तरह ब्याज दर बढ़ाने का परोक्ष संबंध महंगाई काबू करना है। यूक्रेन युद्ध के बाद से ही ऊर्जा की कीमतों में उछाल आया, जिसका सीधा असर यूरोप के देशों में महंगाई बढ़ने के तौर पर दिखाई दिया। हाल के महीनों में यूरोप में ऊर्जा कीमतों में कमी आई है लेकिन खाने-पीने की चीजों के दाम अभी भी बढ़ रहे हैं, जिससे महंगाई को काबू करना यूरोप की सरकारों के लिए मुश्किल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यूरोप में महंगाई दर में फरवरी के मुकाबले थोड़ी गिरावट आई है। फरवरी में यूरोप में महंगाई दर 8.5 प्रतिशत थी। मार्च में यह गिरकर 6.9 प्रतिशत पर आ गई थी लेकिन अप्रैल में फिर से इसमें बढ़ोतरी हुई है और अप्रैल में यह 7 प्रतिशत तक पहुंच गई। यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने कहा है कि भविष्य में ब्याज दरों की कीमतें इस बात पर निर्भर करती हैं कि अर्थव्यवस्था और महंगाई की क्या स्थिति रहती है। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि ब्याज दर बढ़ाने का महंगाई पर असर पड़ रहा है या नहीं।

एमएससीआई में फिर शामिल हो सकता है इंडसइंड बैंक

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के निवेश के लिए काफी गुंजाइश बनने से अगस्त में होने वाली पुनर्संतुलन कवायद में एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में इंडसइंड बैंक को फिर से शामिल किया जा सकता है। अगर इसे शामिल किया जाता है तो यह निजी क्षेत्र के बैंक के शेयर कीमतों में मजबूती लाएगा क्योंकि इसके परिणामस्वरूप करीब 2,500 करोड़ रुपए का निवेश इंडसइंड बैंक में आएगा। इंडसइंड बैंक में विदेशी निवेश की गुंजाइश दिसंबर 2020 में महज 1.2 फीसदी थी, जो मार्च 2023 में बढ़कर 14.5 फीसदी पर पहुंच गई है। पेरिस्कोप एनालिटिक्स के एक विश्लेषक ने कहा` कि जून के आखिर तक विदेशी निवेश की गुंजाइस बढ़कर 15 फीसदी पहुंचने से इंडसइंड बैंक को अगस्त में होने वाली तिमाही समीक्षा बैठक में एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में शामिल किया जा सकता है। अगर इसे शामिल किया जाता है तो 0.5 फीसदी का लिमिटेड इन्वेस्टिबिलिटी फैक्टर इस शेयर पर लागू होगा और पैसिव खरीद रोजाना औसत वॉल्यूम का 6 गुना होगा और डिलिवरी वॉल्यूम का 15 गुना। उन्होंने कहा कि एफपीआई के निवेश की गुंजाइश इच्छित 15 फीसदी की सीमा पर पहुंचने के लिए 18.7 लाख शेयरों की शुद्ध विदेशी बिकवाली की दरकार होगी। अगर विदेशी निवेश की गुंजाइस 15 फीसदी से 25 फीसदी के बीच हो तो एमएससीआई 0.5 फीसदी का लिमिटेड इन्वेस्टिबिलिटी फैक्टर (एलआईएफ) लागू करता है। अगर विदेशी निवेश की गुंजाइश 25 फीसदी से ज्यादा हो तो एलआईएफ 1 फीसदी होता है। इंडसइंड बैंक को फरवरी 2012 की तिमाही समीक्षा में एमएससीआई इंडिया इंडेक्स से बाहर निकाला गया था, जब विदेशी निवेश की गुंजाइश घटी थी।

देश में आधे से ज्यादा इंटरनेट उपभोक्ता ऑनलाइन पढ़ते हैं समाचारः रिपोर्ट

मुंबई ।

एक रिपोर्ट के अनुसार समाचारों को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा दिलचस्पी है जबकि शहरी इलाकों में यह सिर्फ 37 प्रतिशत है।

भारत में आधे से ज्यादा इंटरनेट उपभोक्ता समाचार पढ़ने और देखने के लिए ऑनलाइन मंचों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं और इनमें से आधे लोग समाचार के लिए भरोसे को एक अहम कारक मानते हैं। रिपोर्ट के अनुसार समाचारों को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा दिलचस्पी है जबकि शहरी इलाकों में यह सिर्फ 37 प्रतिशत है। रिपोर्ट कहती है कि भारतीय भाषाओं में 52 प्रतिशत या 37.9 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता विभिन्न समाचार ऐप, वेबसाइट, सोशल मीडिया पोस्ट, व्हाट्सएप संदेश और यूट्यूब आदि पर ऑनलाइन समाचार देखते और पढ़ते हैं। 48 प्रतिशत लोगों का मानना है कि ऑनलाइन माध्यम पारंपरिक टीवी चैनलों की तुलना में अधिक लोकप्रिय है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत में 72.9 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता हैं। डिजिटल माध्यम पर आठ भारतीय भाषाओं में समाचार देखने के बारे में समझ बढ़ाने के लिए 14 राज्यों के 16 शहरों में लगभग 4,600 लोगों से बात की गई और 64 चर्चा सत्रों का आयोजन किया गया।` जिसमें 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के इंटरनेट उपभोक्ताओं को शामिल किया। ऑनलाइन समाचार उपभोक्ताओं के लिए सबसे ज्यादा पसंदीदा खंड वीडियो रहा, जिसके बाद पढ़ने वाले और उसके बाद सुनने वाले समाचार रहे। वीडियो की मांग सबसे अधिक (81 प्रतिशत) बंगाली सामग्री के लिए, उसके बाद तमिल (81 प्रतिशत) फिर तेलुगु (79 प्रतिशत), हिंदी (75 प्रतिशत), गुजराती (72 प्रतिशत), मलयालम (70 प्रतिशत), मराठी और कन्नड़ (66-66 प्रतिशत) हैं। पढ़े जाने वाले समाचार में सबसे ज्यादा गुजराती और कन्नड़ (20 प्रतिशत) और मराठी (18 प्रतिशत) हैं। ऑनलाइन समाचार जानने के लिए 93 प्रतिशत के साथ सबसे ऊपर यूट्यूब है, जिसके बाद सोशल मीडिया (88 प्रतिशत), चैट ऐप्स (82 प्रतिशत), सर्च इंजन (61 प्रतिशत), समाचार प्रकाशक ऐप्स या वेबसाइट्स (45 प्रतिशत), सुने जाने वाले समाचार (39 प्रतिशत), ओटीटी (ओवर द टॉप) या टीवी (21 प्रतिशत) आदि हैं।

वरुण और वैभव के कारण जीत मिली : राणा

हैदराबाद । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान नितीश राणा ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों वरुण चक्रवर्ती और वैभव अरोड़ा को दिया है। वरुण की ही शानदार गेंदबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद अंतिम ओवर में जीत के लिए जरुरी 9 रन नहीं बना पायी थी। वहीं वैभव ने बीच के ओवरों में विकेट लिए थे। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने सनराइजर्स को 172 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में 166 रन ही बना पाई। इस मैच में सनराइजर्स को अंतिम ओवर में जीत के लिए 9 रनों की जरूरत थी पर वरुण के सामने सनराइजर्स के बल्लेबाज नाकाम रहे और 4 रन ही बना पाये। कप्तान राणा ने कहा, बीच में हमने कुछ कमजोर ओवर फेंके पर शार्दुल ठाकुर और वैभव ने विकेट लेकर हमें मैच में बनाये रखा। इस प्रकार हमने खेल में वापसी की। हमें उन्हें आउट करना था क्योंकि अगर वे अंत तक बल्लेबाजी करते तो जीत जाते। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि अंतिम ओवर में स्पिनर या तेज गेंदबाज में से किसके पास जाना चाहिये। साथ ही कहा कि मैं हमेशा देखता हूं कि खेल में सबसे अच्छा स्पिनर कौन है और इसी तरह मैं तय करता हूं कि पिच के अनुसार किसे गेंद देनी है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का तीसरा सबसे बड़ा आयोजन उत्तर प्रदेश में होगा : ठाकुर

अब दंगल के लिए जाना जाता है प्रदेश

लखनऊ ।

केन्द्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि उत्तर प्रदेश अब दंगल के लिए जाना जाता है। ठाकुर ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलो के तीसरे सत्र के लिए लोगो , शुभंकर, जर्सी , गीत और मशाल लॉन्च कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश पहले जो दंगों के लिए जाना जाता था, अब खेलो के दंगल के लिए जाना जाता है।

साथ ही कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का तीसरा सबसे बड़ा आयोजन उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। 25 मई से तीन जून तक चार शहरों में होने वाले इन खेलों में 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के 4700 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। ठाकुर ने कहा कि खेलो इंडिया खिलाड़ियों को सिर्फ तलाशता ही नही है बल्कि निखारता भी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर जिले में खेलो इंडिया का केंद्र बनेगा। ठाकुर ने कहा कि कुछ दिन पहले ही खेलो इंडिया के पांच वर्ष पूरे हुए है और यह बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ा है।

उन्होंने कहा ,''खिलाड़ियों ने देश के लिए पदक जीतने का भी काम किया है और आज मैं यह कह सकता हूं कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का तीसरा सबसे बड़ा आयोजन उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। साथ ही कहा कि जिस तरह से यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेलों को बढ़ावा देने का काम किया है और अब खेलो इंडिया गेम्स की मेजबानी उत्तर प्रदेश को मिली है।''

उन्होंने कहा, मैं कह सकता हूं कि वह दिन दूर नहीं जब दुनिया के किसी भी कोने में भारत पदक जीता करेगा तो उत्तर प्रदेश का उसमें बहुत बड़ा योगदान होगा।''

केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री ने खेलो इंडिया के लिए 3200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है जिससे खिलाड़ियों को किसी तरह की असुविधा न हो और ओलंपिक में पदक जीतकर भारत का नाम विश्व पटल पर आगे बढ़ा सकें।

टी20 लीगों की बढती संख्या से एकदिवसीय प्रारुप को होगा नुकसान : शास्त्री

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच मुख्य कोच रवि शास्त्री के अनुसार जिस प्रकार टी20 लीग की संख्या बढ़ रही है। उससे क्रिकेट भी फुटबॉल लीग की राह पर जा रहा है। शास्त्री के अनुसार इन लीगों के बढ़ने से द्विपक्षीय क्रिकेट विशेष रुप से एकदिवसीय प्रारुप को नुकसान पहुंच रहा है। वहीं फ्रैंचाइजियों का रुख खिलाड़ियों को लंबे समय के अनुबंध देने का हो रहा है। साथ ही कहा कि जिस प्रकार लीग क्रिकेट बढ़ा है उससे भविष्य में खिलाड़ी केवल वैश्विक टूर्नामेंट ही खेलते हुए दिखेंगे। शास्त्री नेसे कहा ,'' मैने हमेशा कहा है कि इन लीग मुकाबलों से द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को नुकसान होगा। दुनिया भर में जिस तरह से लीग की संख्या बढ रही है, यह फुटबॉल की राह पर जा रहा है।'' उन्होंने कहा ,'' ऐसे में टीमें आने वाले समय में विश्व कप से पहले एकत्र होंगी , थोड़ा बहुत द्विपक्षीय क्रिकेट खेलेंगी, क्लब टीमों को छोड़ेंगे जो विश्व कप खेलेंगे। आपको पसंद आये या नहीं पर ऐसा ही होगा।' उन्होंने कहा ,'' मुझे इसमें कोई बुराई भी नहीं दिखती पर 50 ओवरों के क्रिकेट को नुकसान तो होगा।'' वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के देश के लिये खेलने के मुकाबले क्लब को वरीयता देने को लेकर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह चलन और बढेगा। उन्होंने कहा ,'' देश में एक अरब 40 करोड़ लोग हैं और सिर्फ 11 ही देश के लिये खेल सकते हैं। फिर बाकी क्या करेंगे। उन्हें इस फ्रेंचाइजी क्रिकेट के जरिये ही दुनिया भर में खेलने का मौका मिल रहा है।''

बजरंग की लोगों से भावुक अपील , कृपया हमारा साथ दें

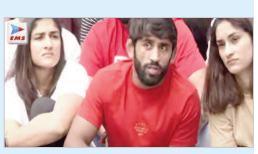

नई दिल्ली । पहलवान बजरंग पूनिया ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन के लिए उनका समर्थन मांगा है। बजरंग ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए ट्विटर पर लिखा, 'हम अपने देश के गौरव के लिए लड़े। आज हम आपके चैंपियंस की सुरक्षा और सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। ऐसे में हमारा साथ दें!' बजरंग की यह भावुक अपील तब आई है। जब एक दिन पहले ही किसान और डीयू के छात्रों सहित बड़ी तादाद में लोग पहलवानों के समर्थन में जंतर-मंतर पहुंचे थे। इन सभी लोगों ने कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे पहलवानों का समर्थन किया था। कई लोगों ने विरोध प्रदर्शन स्थल पर भारी सुरक्षा के बीच ही पीड़ित पहलवानों के समर्थन में 'नारी शक्ति जिंदाबाद', 'पहलवान एकता जिंदाबाद', 'के नारे भी लगाये। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब से आए कई किसान समूहों ने 'जय किसान जय जवान' और 'किसान एकता जिंदाबाद' के नारे लगाए, और कहा कि जब तक पहलवानों को न्याय नहीं मिल जाता, वे प्रदर्शन स्थल से नहीं हटेंगे। वहीं किसाने ने कहा, 'बुधवार रात हमारे पहलवानों के साथ जो हुआ, उसके बाद हमें इस देश की उन बेटियों को समर्थन देने की जरूरत महसूस हुई, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए पदक जीते हैं. कल जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण था। हमने फैसला किया है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता, हम यहां से नहीं हटेंगे।'

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा भारत-पाक एकदिवसीय विश्वकप मुकाबला !

दुबई ।

देश में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावनाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने बैठने की क्षमता को देखते हुए इस प्रतिष्ठित स्टेडियम में इस अहम मैच की मेजबानी करने का फैसला किया है। इस स्टेडियम में एक लाख से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है और मैच के लिए बड़ी तादाद में प्रशंसकों के विदेश से भारत आने की उम्मीद है, इसलिए यह स्थान मैच के लिए सबसे बेहतर नजर आता है। यह टूर्नामेंट 5 अक्टूबर से शुरू होगा और नागपुर, बेंगलुरु, त्रिवेंद्रम, मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, राजकोट, इंदौर, बेंगलुरु और धर्मशाला जैसे स्थानों पर मैच खेले जाएंगे। इन 13 स्थलों में से भारत के अपने मैच केवल सात स्थलों पर ही होने की संभावना है।

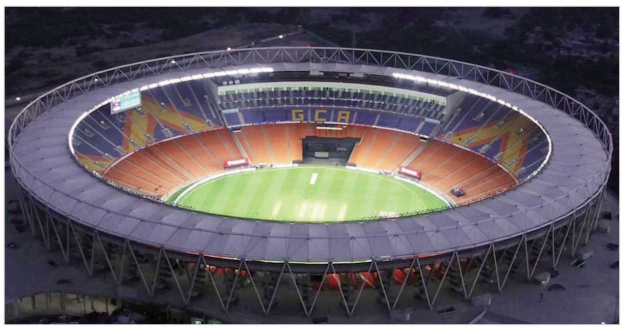

सुरक्षा कारणों से पाक अपने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम और चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेलना चाहता है। और इसी तरह, बांग्लादेश भी अपने देश से दूरी को देखते हुए अपने अधिकांश मैच कोलकाता और गुवाहाटी में खेलना चाहता है। इससे उसके यहां से आने वालों को लंबा सफर नहीं करना पड़ेगा।

यह भी कहा जा रहा है भारतीय टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई से ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ स्पिनरों की सहायता करने वाले मैदानों को रखने को कहा है। इसके साथ ही प्रबंधन ने धीमी पिचों के लिए भी कहा है।

संक्षिप्त समाचार

वापसी के लिए जिम में अभ्यास करते दिखे ऋषभ

बेंगलूर । कार हादसे से उबर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैदान पर वापसी की तैयारियों में लग गये हैं। ऋषभ की एक तस्वीर सोशल मीडिया में आई है जिसमें वह जिम में अभ्यास करते हुए दिखे। वह इससे पहले अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स को हौंसला बढ़ाने मैदान में भी दिखे थे। उनकी हालत भी बेहतर होती जा रही है। उन्हें जिम में अभ्यास करते हुए देखकर प्रशंसकों को भी राहत मिली है। ऋषभ शीघ्र ही मैदान पर वापसी करना चाहते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें वो जिम में पसीना बहाते हुए नजर आ रहे हैं। अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। माना जा रहा है कि वह इस साल के अंत तक पूरी तरह से फिट होकर टीम से जुड़ जाएंगे। इस बल्लेबाज ने जिम से एक स्टोरी साझा कर खास संदेश भी दिया है। उन्होंने एक तस्वीर साझा कर लिखा, खेल चरित्र का निर्माण ही नहीं बल्कि उसे सामने लाने का काम करता है। वह अपने को मैदान से दूर नहीं रख पा रहे हैं। वहीं प्रशंसक भी शीघ्र ही उनकी मैदान पर वापसी देखना चाहते हैं। गौर हो कि सड़क दुर्घटना के बाद इस खिलाड़ी के लिगामेंट की तीन सर्जरी हुई थी। पंत ने सर्जरी करवाई थी। वह पूरी तरह से ठीक होने के बाद रिहैब शुरू करेंगे और ऐसे में उन्हें वापसी में छह माह और लग सकते हैं। उनके इस साल एकदिवसीय विश्वकप खेलने की संभावनाएं नहीं हैं।

आरसीए में घोटाले की आशंका से तीसरा मैच भी विवादों में आया

जयपुर । जयपुर में आज यहां होने वाला तीसरा आईपीएल मुकाबला भी राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के कारण विवादों में आ गया है। इसका कारण ये है कि केंद्रीय जांच एजेंसी सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सीजीएसटी) विभाग ने यहां 22 करोड़ रुपये टैक्स क्रेडिट में घोटाला होने की आशंका व्यक्त की है। आरसीए पहले ही मैच से विवादों में आ गया था। तब सवाई मानसिंह स्टेडियम में किए गए निर्माण को खेल मंत्री ने अवैध बताते हुए स्टेडियम के एक स्टैंड को जप्त कर लिया था। वहीं, दूसरे मैच के लिए भी एसएमएस स्टेडियम में किए गए निर्माण की खेल विभाग ने कुछ समय पहले ही अनुमति दी थी। सीजीएसटी विभाग ने कहा कि आरसीए में 22 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट का घोटाला सामने आया है। इसके बाद आरसीए द्वारा किए गए लेन-देन की बारीकी से जांच की गयी है।आरसीए के लेनदेन में गड़बड़ी की जो शिकायत सीजीएसटी विभाग को मिली थी। उसी के आधार पर ये कार्रवाई हुई है। गत दिवस सीजीएसटी की टीम ने 22 करोड़ रुपये के करों में घोटाले को लेकर नोटिस जारी किया था उसके कुछ समय बाद ही आरसीए ने 10 करोड़ रुपये जमा भी करा दिये थ। सीजीएसटी टीम फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर गहरायी से जांच कर रही है।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगी सीएसके और मुम्बई इंडियंस

चेन्नई ।

कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और रोहित शर्मा की मुम्बई इंडियंस टीम (एमआई) के बीच शनिवार को मुकाबला होगा। इस मैच में सीएसके को अपनी घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सीएसके इस मैच से एक बार फिर जीत की राह पर वापस लौटना चाहेगी। इससे पहले लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ हुआ मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था जबकि पंजाब के खिलाफ हुए मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा था। दोनो ही टीमों के बीच यह मुकाबला रोमांचक रहेगा। मुम्बई ने इससे पहले साल 2019 में यहां सीएसके को हराया था और इस सिलसिले को वह बरकरार रखने का प्रयास करेगी। वहीं सीएसके पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। यह मुम्बई का पसंदीदा मैदान भी है, ऐसे में वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। डेवोन कोंवे और रूतुराज गायकवाड़ अच्छी फार्म में हैं और लगातार रन बना रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में उसकी हार का कारण मध्यक्रम की नाकामी रही थी। टीम के पास अनुभवी अजिंक्य रहाणे और युवा शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी हैं। इन दोनो ने ही अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर अंबाती रायुडू और मोईन अली अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे आ रहे धोनी ने कुछ अच्छे शॉट खेले हैं। सीएसके ने रहाणे की शानदार बल्लेबाजी से पहले मैच में मुंबई को हराया था और ऐसे में रहाणे इस बार भी सीएसके को जीत दिलाना चाहेंगे। गेंदबाजी की बात करें तो दीपक चाहर की वापसी से वह मजबूत हुई है पर तुषार देशपांडे ने काफी रन दिये हैं। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने भी अच्छी गेंदबाजी अच्छी की है। ऑलराउंडर मिशेल सेंटनेर को भी मोईन या महीश तीक्षणा की अवसर मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर मुम्बई भी अपनी ओर से जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। टीम के पास रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड , ईशान किशन और तिलक वर्मा जैसे बल्लेबाज हैं। अब तक टीम की गेंदबाजी लय में नहीं दिखी है। यहां तक कि अनुभवी जोफ्रा आर्चर भी विकेट लेने में सफल रहे हैं। टीम को अगर जीत चाहिये तो उसके गेंदबाजों को अहम भूमिका निभानी होगी।

लारा ने केकेआर के खिलाफ मिली हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ब्रायन लारा ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली हार के लिए बल्लेबाजी जिम्मेदार हैं। लारा ने कहा कि किसी ने हमें नहीं हराया बल्कि हम अपनी गलती से हारे हैं। केकेआर के खिलाफ टीम को पांच रनों से हार का सामना करना पड़ा क्योंकि वह अंतिम ओवर में जीत के लिए जरुरी पांच रन नहीं बना पायी थी। इस हार से सनराइजर्स नौवें स्थान पर फिसल गयी है। लारा ने मैच के बाद कहा ,'' हमने पावरप्ले में लगातार विकेट खोये जिसके कारण हम इस मैच में नहीं उबर पाये। इससे हेनरिच क्लासेन पर पारी संभालने का अतिरिक्त बोझ पड़ गया था जबकि वह वह छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरता है। उसके लिये यह काम कठिन था। उन्होंने कहा ,'' बल्लेबाजों की सहाय पिच पर ऐसे इस प्रकार के मैच जीतना आना चाहिये पर हम विफल रहे। हमें साझेदारियों को बनाने पर ध्यान देना चाहिये था। आक्रामक होना अच्छी बात है पर मैच जीतने के लिये रुककर खेलना भी जरूरी है ।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स से प्रेरित होंगे युवा : योगी

लोगो, मैस्काट, मशाल, एंथम और जर्सी का अनावरण किया

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यहां होने वाले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स से युवाओं का खेलों के प्रति उत्साह बढ़ेगा। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का तीसरा संस्करण उत्तर प्रदेश में होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा क्योंकि इसमें 200 विश्विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भागीदारी करेंगे। इस दौरान इन लोगों को उत्तर प्रदेश को जानने, समझने और सीखने का भी अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लोगो, मैस्काट, मशाल, एंथम और जर्सी का भी अनावरण किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी थे। इस दौरान योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पूरी टीम खिलाड़ी के स्वागत के लिए तैयार है। साथ ही कहा कि 25 मई से प्रारंभ होने वाले इन खेलों के शुभारंभ के लिए भारत सरकार को और सभी राज्यों को सादर आमंत्रित करता हूं। ये खेल युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने में मील के पत्थर साबित होंगे। उन्होंने देश में खेलों के प्रति सोच में आये बदलाव का जिक्र करते हुए अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि आप सबने पिछले 9 वर्ष के अंदर भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए देखा होगा। भारत के बारे में दुनिया की धारणा को बदलते हुए भी देखा है। भारत के प्रत्येक नागरिक के मन में एक नया विश्वास भी आपने महसूस किया होगा। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स भी उसी धारणा को बदलने और उस विश्वास का एक प्रतीक है। एक दशक पहले खेल और खिलाड़ियों के प्रति लोगों के मन में अच्छी धारणा नहीं होती थी। खेल को एक अनावश्यक कार्य माना जाता था, समय बर्बादी माना जाता था। आज इसके प्रति धारणा बदली है। परिवार के लोग मिलकर बच्चे को प्रोत्साहित करते हैं। स्वस्थ शरीर उसी को प्राप्त होगा जो नियम और संयम और अनुशासन का पालन करता है। स्वाभाविक रूप से खेल की इन गतिविधियों से व्यक्ति न केवल स्वस्थ रह सकता है बल्कि समाज और राष्ट्र को सशक्त भी कर सकता है। खेलो इंडिया खेलो और फिट इंडिया मूवमेंट उसी श्रृंखला के हिस्से हैं।

घरेलू मैदान पर आरसीबी के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के बीच शनिवार को आईपीएल में एक अहम मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें प्लेऑफ की अपनी संभावनाएं बरकरार रखने इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दिल्ली का पलड़ा इस मैच में भारी नजर आता है क्योंकि उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। पिछले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली जीत से भी दिल्ली के हौंसले बुलंद हैं। वहीं आरसीबी भी पिछले मैच में लखनऊ सुपरकिंग्स के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित है।

दिल्ली की ओर से पिछले मैच में अनुभवी ईशांत ने शानदार गेंदबाजी की थी और वह इस प्रदर्शन को बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं तेज गेंदबाज खलील अहमद ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। दिल्ली के बल्लेबाजों को इस मै में रन बनाने होंगे क्योंकि गुजरात के खिलाफ जीत उसे कम स्कोर के बाद भी गेंदबाजों ने दिलायी थी। गुजराम के खिलाफ पिछले मैच के बाद कप्तान डेविड वॉर्नर ने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन को कहा था। टीम की ओर से अब तक अधिकतर रन वार्नर ने ही बनाये हैं। फिल सॉल्ट का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। बल्लेबाजी में पूरी टीम एक एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पायी है। बल्लेबाज प्रियम गर्ग विफल रहे हैं। मनीष पांडे भी अपेक्षा के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। अक्षर पटेल हालांकि काफी अच्छी बल्लेबाजी कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। उन्हें अब ऊपरी क्रम पर उतरा जा सकता है। इस मैच में आरसीबी के अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली पिछले मैच में हुए विवाद से उबरकर बेहतर बल्लेबाजी करना चाहेंगे। पिछले मैच में लखनऊ के खिलाफ मिली जीत के बाद गौतम गंभीर से उनकी बहस हो गयी थी। इस मैच में आरसीबी की ओर से केदार जाधव भी खेलते दिखेंगे। उनके आने से मध्यक्रम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। टीम के पास तेज गेंदबाजों के तौर पर मोहम्मद सिराज और जोश हेजलवुड हैं जिनका प्रदर्शन पिछले मैच में अच्छा रहा था। वहीं स्पिनर कर्ण शर्मा ओर वानिंदु हसरंगा से भी टीम को बेहतर गेंदबाजी की उम्मीद रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच काफी रोमांचक रह सकता है।

विश्व चैम्पियनशिप में डिंग को टक्कर दे सकते है भारतीय खिलाड़ी : आनंद

कोलकाता । दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को उम्मीद है कि कुछ भारतीय खिलाड़ी अगले साल होने वाले विश्व चैम्पियनशिप 'कैंडिडेट्स टूर्नामेंट' में चीनी खिलाड़ी डिंग लारेन को टक्कर दे सकते हैं। आनंद ने कहा कि इस टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने के लिए इन खिलाड़ियों के पास अच्छे अवसर भी हैं। उम्मीद है कि यह अगले चक्र में हो सकता है। विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर कायम आनंद ने पहले ही कहा दिया था कि वह अब इस टूर्नामेंट के लिए चुनौती पेश नहीं करेंगे। आनंद के अलावा शीर्ष 100 रैंकिंग में शामिल डी गुकेश, अर्जुन एरिगैसी, आर प्रज्ञानानंदा और निहाल सरीन जैसे खिलाड़ियों के विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें हैं। आनंद ने कहा, ''हमारे पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। ऐसे में डिंग के सामने कोई भी भारतीय खिलाड़ी चुनौती पेश कर सकता है। वहीं आनंद ने कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे पहलवानों का समर्थन करते हुए कहा कि उनके लगाये आरोप बेहद गंभीर हैं और इस मामले में पहलवानों के साथ न्याय होना चाहिये। आनंद ने कहा कि पहलवानों ने महासंघ प्रमुख पर जो यौन शोषण के आरोप लगाये हैं उनकी जांच होनी चाहिये। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता पहलवानों को इस प्रकार सड़क पर बैठे देखना दुखद है। साथ ही कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस मामले की पूरी जांच होगी।

12 मई को पीएम मोदी अहमदाबाद में 1400 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 12 मई को गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। एक दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी अहमदाबाद और गांधीनगर में होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उसी दिन पीएम मोदी अहमदाबाद के अलग अलग क्षेत्रों में करीब रु. 1400 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी के गुजरात दौरे को लेकर सुरक्षा तैयारियां की जा रही हैं। जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी गिफ्ट सिटी में राष्ट्रीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अधिवेशन में शिरकत करेंगे। आगामी शैक्षिक सत्र से राज्य में नई शिक्षा नीति लागू होने वाली है और उससे पहले शिक्षक संघ के अधिवेशन में पीएम मोदी महत्वपूर्ण संबोधन करेंगे। पीएम मोदी अहमदाबाद के वाडज, सताधार, नरोडा जंक्शन पर रु. 500 करोड़ से अधिक लागत से बनने वाले फ्लाई ऑवर ब्रिज के अलावा ड्रेनेज और झुग्गीबस्ती पुनर्वास योजना के तहत निर्माण किए जानेवाले योजना का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा पीएम मोदी पूर्वी अहमदाबाद के बापूनगर के लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम में रु. 78.88 करोड़ की लागत से एमएलडी के एसटीपी प्लान का लोकार्पण करेंगे। शहर के गोता में 28.63 करोड़ रुपए, अमराईवाडी में रु. 27.17 करोड़ की लागत से नए वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर, एसपी रिंग रोड पर कमोड तक रु. 184.47 करोड़ रुपए की पाइप लाइन, पीएमजेवाय समेत योजना के तहत रु. 68.58 करोड़ के ईडब्ल्यूएस आवास, नरोडा में रु. 267.67 करोड़ के प्लायो पर वाडा जंक्शन पर रु. 127.92 करोड़ के फ्लाई ऑवर ब्रिज तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रु. 641.02 करोड़ के खर्च से टीपी रोड रिग्रेड कर रिसर्फेस कार्यों का शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी का आगामी कार्यक्रमों को देखते हुए गांधीनगर समेत अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में सुरक्षा तैयारियां की जा रही हैं। अहमदाबाद और गांधीनगर प्रशासन को भी सतर्क कर दिया गया है।

तलाटी कम मंत्री परीक्षा: पश्चिम रेलवे परीक्षार्थियों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

अहमदाबाद। गुजरात पंचायत सेवा सेलेक्शन बोर्ड ङ्क गुजरात सरकार द्वारा 7 मई अप्रैल, 2023 (रविवार) को विभिन्न स्थानों पर "ग्राम पंचायत सचिव"(तलाटी कम मंत्री) की परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए 7 मई अप्रैल, 2023 को पश्चिम रेलवे द्वारा साबरमती और पालनपुर के बीच दो जोड़ी तथा गांधीग्राम व भावनगर बीच एक जोड़ी "परीक्षा स्पेशल" ट्रेनों का संचालन विशेष किराये पर करने का निर्णय लिया गया है। मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद के अनुसार इन स्पे शल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

1. ट्रेन संख्या 09471/09472 साबरमती-पालनपुर-साबरमती (डेमू) परीक्षा स्पेशल ट्रेन (दो फेरे)

ट्रेन संख्या 09471 साबरमती-पालनपुर परीक्षा स्पेशल साबरमती से प्रात: 04.30 बजे चलकर 07.10 बजे पालनपुर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09472 पालनपुर-साबरमती परीक्षा स्पेशल पालनपुर से प्रात: 07.40 बजे चलकर 10.10 साबरमती पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन कलोल और महेसाणा स्टेशनों पर रुकेगी।

2. ट्रेन संख्या 09473/09474 साबरमती-पालनपुर-साबरमती (डेमू) परीक्षा स्पेशल ट्रेन (दो फेरे)

ट्रेन संख्या 09473 साबरमती-पालनपुर परीक्षा स्पेशल साबरमती से 16.30 बजे चलकर 18.55 बजे पालनपुर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09474 पालनपुर-साबरमती परीक्षा स्पेशल पालनपुर से 19.35 बजे चलकर 22.30 बजे साबरमती पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन कलोल और महेसाणा स्टेशनों पर रुकेगी।

3. ट्रेन संख्या 09579/09580 भावनगर-गांधीग्राम-भावनगर परीक्षा स्पेशल ट्रेन (दो फेरे)

ट्रेन संख्या 09579 भावनगर-गांधीग्राम परीक्षा स्पेशल भावनगर से प्रात: 04.50 बजे चलकर 09.15 बजे गांधीग्राम पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09580 गांधीग्राम-भावनगर परीक्षा स्पेशल ट्रेन गांधीग्राम से 15.30 बजे चलकर 20.10 बजे भावनगर पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, धंधुका, धोलका एवं वस्त्रापुर स्टेशनों पर रूकेगी।

तोडकांड में जेल ट्रांसफर की याचिका खारिज, युवराजसिंह समेत सभी आरोपियों को भावनगर जेल में ही रहना होगा

भावनगर। यहां की फास्टट्रेक कोर्ट ने तोडकांड केस के आरोपी विद्यार्थी नेता युवराजसिंह समेत आरोपियों की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने जेल ट्रांसफर की मांग की थी। याचिका खारिज होने के बाद युवराजसिंह समेत सभी आरोपियों को भावनगर की जेल में ही रहना होगा। बता दें कि भावनगर डमीकांड के आरोपियों के नाम सार्वजनिक ना करने के बदले में एक करोड़ रुपए लेने के आरोप में युवराजसिंह जाडेजा समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस रिमांड पूर्ण होने के बाद सभी को भावनगर की जेल में भेज दिया गया है। जेल में युवराजसिंह और उनके दो साले शिवुभा गोहिल, कानभा गोहिल के अलावा बिपिन त्रिवेदी, घनश्याम और अल्फाज के बीच कोई अनहोनी ना हो इसके लिए जेल ट्रांसफर की मांग करती हुई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका में युवराजसिंह समेत 6 आरोपियों को दूसरी जेल में भेजने की मांग की गई थी। लेकिन भावनगर की फास्टट्रेक कोर्ट ने आरोपियों की याचिका खारिज कर दी। याचिका खारिज होने के बाद अब सभी आरोपियों को भावनगर की जेल में ही रहना होगा। बता दें कि विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा के खिलाफ पुलिस को पुख्ता सबूत मिले हैं। युवराजसिंह जाडेजा ने गांधीनगर जिले के दहेगाम में अपने ससुर के नाम संपत्ति खरीदी है। युवराजसिंह की पत्नी दहेगाम में बतौर शिक्षिका सेवारत है। पत्नी के दहेगाम में रहने की वजह से युवराजसिंह ने यह सपंत्ति खरीदी होने की आशंका है। संपत्ति की खरीद के लिए युवराजसिंह ने बिल्डर को रु. 13 लाख दिए होने का और इसका उल्लेख उस डायरी में किया गया है, जो पुलिस ने बरामद की है।

राजनीतिक दलों को डोनेशन के नाम पर करोड़ों की टैक्स चोरी

अहमदाबाद। आयकर विभाग द्वारा एक साथ चार हजार लोगों को नोटिस जारी किए जाने से हड़कम्प मच गया है। आरोप है कि इन लोगों ने 23 जितने छोटे राजनीतिक दलों को डोनेशन देकर करोड़ों की टैक्स चोरी की है। दरअसल 8 महीने पहले फर्जी डोनेशन और टैक्स चोरी के मामले में आयकर विभाग ने अहमदाबाद समेत राज्यभर में रेड की थी। अहमदाबाद में आयकर विभाग ने 96 जगहों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को रु. 4000 करोड़ के डोनेशन के हिसाब मिले थे। इसके अलावा राजनीतिक दलों से मिले कागजातों में भी रु. 4000 करोड़ के लेन-देन का हिसाब मिला था। जांच में राजनीतिक दलों को डोनेशन के नाम पर सुनियोजित ढंग से टैक्स चोरी का खुलासा हुआ था। राजनीतिक दलों को चेक से दान देने के बाद उसकी रकम नकद में वापस ली गई थी। इस पूरे मामले में गुजरात समेत अन्य राज्यों के एजन्टों की संलिप्तता का खुलासा हुआ है। आयकर विभाग ने भारतीय राष्ट्रीय तंत्र पार्टी, राष्ट्रवादी जनताराज पार्टी, नवसर्जन भारत पार्टी, जनतावादी कांग्रेस पार्टी, सत्ता कल्याण पार्टी, भारतीय जन क्रांति दल, अपना देश पार्टी, राष्ट्रीय समाजवादी पार्टी, सरदार वल्लभभाई पार्टी, लोककल्याण पार्टी, राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी, जनसंघर्ष विराट पार्टी, युवा जन जागृति पार्टी, सौराष्ट्र जनता प्रकाश, मधरलैन्ड नेशनल पार्टी, लोकतंत्र जागृत पार्टी, भारतीय किसान परिवर्तन पार्टी, राष्ट्रीय कौमी एकता पार्टी, लोकशाही सत्ता पार्टी, गरवी गुजरात पार्टी, इंडियन स्वर्ण समाज पार्टी जन मन पार्टी और गुजरात जन पंचायत पार्टी को नोटिस जारी किया है।

बेमौसमी बारिश ने गृहिणियों की बढ़ाई मुश्किलें, सब्जियों के दाम आसमान पर

अहमदाबाद। गुजरात में बेमौसमी बारिश ने किसानों के साथ ही गृहिणियों की भी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। राज्य में सब्जियों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। बेमौसमी बारिश की वजह से सब्जियों की आय में कमी आई है, जिसकी वजह से इनकी कीमतों में इजाफा हुआ है। राज्य में बेमौसमी बारिश से करीब 30 प्रतिशत सब्जियों को नुकसान हुआ है। जिसका असर सब्जियों की कीमत पर पड़ा है और 30 से 50 महंगी हो गई है। सब्जियों के दाम बढ़ने से गृहिणियों का बजट बिगड़ गया है। पहले जो टमाटर प्रति किलो रु. 20 मिलते थे वह अब रु. 40 में बिक रहे हैं। अदरक की कीमत भी रु. 200 प्रति किलो पर पहुंच गई है। क्योंकि ज्यादातर अदरक की आय बेंगलुरू से होती है। गवार की कीमत भी रु. ।0 से बढ़कर रु. 120 प्रति किलो पर पहुंच गई है। 80 रुपए प्रति किलो बिकने वाली चौराई की कीमत रु. 130 पर पहुंच गई है। नींबू भी रु. 80 से बढ़कर रु. 100 हो गए हैं। वहीं मटर प्रति किलो की कीमत रु. 60 से बढ़कर रु. 80, भींडी रु. 50 से बढ़कर रु. ।0 पर पहुंच गई है। हरी मिर्च रु. 30 से बढ़कर रु. 45, गोभी रु. 30 से बढ़कर रु. 50 और कच्चे आम रु. 40 से बढ़कर रु. 60 में प्रति किलो बिक रहे हैं।

उधना स्टेशन का अपग्रेडशन विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और यात्री सुविधाओं के साथ किया जाएगा

अहमदाबाद। भारतीय रेल द्वारा देश के प्रमुख स्टेशनों को आधुनिक और विश्वस्तरीय स्टेशनों में बदलने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अपग्रेडेशन और आधुनिकीकरण के लिए देश भर में 1275 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 87 रेलवे स्टेशन गुजरात में हैं। नवीनतम इंफ्रास्ट्रक्च र और सुविधाओं के साथ उधना रेलवे स्टेशन के कायापलट से नई नौकरियों के सृजन के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा प्रभाव पड़ेगा। माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप उधना रेलवे स्टेशन का नया रूप और लेआउट रेलवे स्टेशन को एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में बदलने और नए भारत की नई रेल बनने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परियोजना का उद्देश्य वास्तुकला के साथ-साथ प्रबंधन पहलुओं के संदर्भ में अपनी अंतरराष्ट्रीय अपील के आधार पर खड़ा होना है; इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उधना रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की परिकल्पना की गई है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उधना रेलवे स्टेशन को 223.6 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से एक आधुनिक स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है और इस कार्य को 24 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य है। कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। इंजीनियरिंग खरीद और निर्माण (ईपीसी) अनुबंध प्रदान किया जा चुका है। साइट सर्वे, जियो टेक्निकल अन्वेषण और मिट्टी जांच का कार्य पूर्ण हो चुका है। पश्चिम की ओर मौजूदा आरपीएफ क्वार्टरों को तोड़ दिया गया है और नए क्वार्टरों का कार्य तेजी से चल रहा है। ग्राउंड फ्लोर स्लैब का कार्य पूर्ण होने के साथ ही रूफ स्लैब का कार्य प्रगति पर है। यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों को स्थानांतरित कर दिया गया है और नए पीआरएस को शुरू किया गया है। पूर्व दिशा के स्टेशन भवन के ग्राउंड फ्लोर सुपर स्ट्रक्चर कॉलम वर्क, स्लैब वर्क और सीढ़ी के साथ-साथ लिफ्ट वॉल का कार्य प्रगति पर है। सब-स्टेशन भवन के प्लिंथ बीम और कॉलम का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा, पूर्व की ओर सर्कुलेटिंग एरिया में सड़क और पार्किंग के लिए समतलीकरण, उत्खनन और डब्ल्यूएमएम को बिछाने का कार्य प्रगति पर है। नए फुट ओवर ब्रिज की नींव का कार्य भी प्रगति पर है। रेलवे स्टेशन के पूर्व और पश्चिम दोनों ओर नए स्टेशन भवनों का विकास प्रस्तावित है। पूर्व और पश्चिम की ओर स्थित स्टेशन भवनों को एफओबी के माध्यम से एकीकृत/एक दूसरे से जोड़ा जाएगा और बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा के लिए पटरियों और प्लेटफॉर्मों पर एक एयर कॉनकोर्स भी होगा। प्लेटफॉर्मों पर भीड़भाड़ से बचने के लिए प्लेटफॉर्मों के ऊपर यात्री सुविधाओं से युक्त पर्याप्त कॉन्कोर्स/वेटिंग स्पेस होंगे। कॉन्कोर्स क्षेत्र 2440 वर्ग मीटर में फैला होगा। नए स्टेटशन स्टेशन को इस प्रकार के वास्तुशिल्प परिवेश के साथ डिजाइन किया गया है जो यह सुनिश्चित करेगा कि संपूर्ण स्टेशन परिसर उपयुक्त अग्रभाग, फिनिश, रंग, सामग्री, बनावट और समग्र रूप और अनुभव के माध्यम से एक एकीकृत थीम प्रस्तुत करे। मुख्य स्टेशन भवन के पूर्व में सर्कुलेटिंग एरिया में एक क्लॉक टावर होगा जो उधना स्टेशन का आइकॉनिक प्रतीक होगा। पश्चिम की ओर के अग्रभाग की थीम उधना शहर के परिवेश (ह्यह्वह्ल्श्वह्ठ्ठस्र-द्धठ्ठद्दह्य) के समान होगी। उधना रणनीतिक रूप से गुजरात के प्रमुख शहरी केंद्रों जैसे सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद और गांधीनगर के निकट है। उधना रेल मार्ग द्वारा गुजरात राज्य के प्रमुख नगरों और छोटे शहरों के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। स्टेशन का इस प्रकार का अपग्रेडेशन और व्यापार और वाणिज्य के लिए आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करेगा और उधना को एक प्रमुख व्यवसाय और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

एथोस लिमिटेड ने सूरत में अपना पहला बुटीक किया लॉन्च

सूरत। भारत के सबसे बड़े लक्ज़री वॉच रिटेलर ब्रांड्स में से एक, एथोस लिमिटेड ने सूरत में अपने पहले बुटीक को लॉन्च किया, जो कि गुजरात का सबसे बड़ा लक्ज़री वॉच बुटीक भी है। यह लॉन्च भारत के नए शहरों में बुटीक खोलने की कंपनी के एक्सपेंशन प्लान का एक अभिन्न हिस्सा है। सोलारिस 'द एड्रेस', पिपलोड -डुमस रोड पर स्थित सूरत में खुलने वाले अपने इस पहले बुटीक के साथ कस्टमर्स दुनिया के सबसे पॉपुलर लक्ज़री वॉच ब्रांड्स के लक्ज़री टाइमपीसेस को पा सकेंगे। इसके साथ ही यह मल्टी-ब्रांड स्टोर 3650 वर्ग फीट में फैला हुआ है।

इस नये बुटीक के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए एथोस लिमिटेड के सीओओ श्री मनोज अयाकद सुब्रमण्यम ने कहा, "हम सूरत में अपने इस नए स्टोर के भव्य उद्घाटन की घोषणा करते हुए बेहद रोमांचित हैं। यह नया स्टोर हमारे ग्राहकों के लिए सर्वश्रेष्ठ घड़ियों के ब्रांड्स और शॉपिंग एक्सपीरियंस को एक साथ लाने की हमारी इस जर्नी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही हम सूरत के वाइब्रेंट और बढ़ते रिटेल एनवायरनमेंट का हिस्सा बनने के लिए भी काफी उत्साहित हैं, साथ ही एक एक्सक्लूसिव ब्रांड पोर्टफोलियो, एक्सपर्ट गाइडेन्स तथा अनोखी कस्टमर सर्विस के साथ हम कम्युनिटी की सेवा करने के लिए भी तत्पर हैं।"

पिछले कुछ महीनों में एथोस लिमिटेड ने सिलीगुड़ी, इंदौर, भोपाल तथा भुवनेश्वर सहित कई नए शहरों में प्रवेश किया है। अपने रिटेल एक्सपेंशन के साथ-साथ, इथोस, जैकब एंड कंपनी, बेल एंड रॉस सहित कई विश्व प्रसिद्ध लक्ज़री ब्रांडों के साथ अपने ब्रांड पोर्टफोलियो का भी विस्तार कर रही है।

वर्तमान में एथोस लिमिटेड के भारत के 22 शहरों में 55 से अधिक स्टोर्स मौजूद हैं, जिनमें ओमेगा, ब्रेटलिंग, राडो, लॉन्गिंस सहित प्रीमियम ब्रांड्स शामिल हैं।

एथोस लिमिटेड के बारे में (बीएसई: 543532; एनएसई- एथोसलिमिटेड)

एथोस लिमिटेड भारत के सबसे बड़े लक्ज़री एवं प्रीमियम घड़ियों के रिटेलर्स में से एक है, जिसकी स्थापना वर्ष 2003 में हुई थी तथा जो 30 मई, 2022 से सार्वजनिक रूप से बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड में लिस्टेड (सूचीबद्ध) है।

नाणावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रस्तुत करता है सूरत, गुजरात में मल्टी-स्पेशियलिटी ओपीडी सेवाएं

सूरत। मुंबई के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाता, नाणावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने आज सूरत, गुजरात में नानावती मैक्स रोगी सहायता केंद्र, एक मल्टी-स्पेशियलिटी ओपीडी सेवा का उद्घाटन किया।

सूरत के नानपुरा में एसएनएस एक्सिस बिल्डिंग में स्थित, रोगी सहायता केंद्र अस्पताल के 20 से अधिक डॉक्टरों की मेजबानी करता है, जिसमें ओन्को-साइंस, लिवर, अग्नाशय और आंतों के रोग और प्रत्यारोपण, तंत्रिका विज्ञान, गुर्दे विज्ञान और प्रत्यारोपण, हृदय विज्ञान, जैसे विभिन्न विशिष्टताओं को शामिल किया गया है। और आर्थोपेडिक्स और संयुक्त प्रतिस्थापन।

यह पहल सुपर-स्पेशियलिटी क्लिनिकल सेवाओं को घर के करीब लाती है, जिससे मरीजों को विशेषज्ञ की राय और मार्गदर्शन के लिए प्रमुख महानगरों की यात्रा करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

मरीज अब अपने स्वास्थ्य परामर्श और नियमित फॉलो-अप के लिए नियमित अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। गुजरात में अंगदान के क्षेत्र में अग्रणी श्री नीलेश मंडलेवाला ने नाणावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और मैक्स हेल्थकेयर के वरिष्ठ प्रबंधन और नैदानिक प्रतिनिधियों के साथ 'सम्मानित अतिथि' के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया।

इस साल की शुरुआत में, नाणावटीमैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट टीम ने एक जटिल लिवर ट्रांसप्लांट किया, जिससे सूरत निवासी 34 वर्षीय हर्षल राणा को नया जीवन मिला। केंद्र का लक्ष्य दुर्लभ अनुवांशिक विकारों वाले मरीजों के जीवन पर समान रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव डालना है। यह विलंबित निदान और इष्टतम उपचार के बीच की खाई को पाटने का प्रयास करता है, पुरानी बीमारियों के बोझ को कम करता है और सूरत जैसे गैर-महानगरीय क्षेत्रों में अंतिम चरण के अंग विफलता को कम करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)